हिंदी दैनिक

जनादेश टुडे

आजमगढ़
वर्ष: 02 | अंक: 296
मूल्य: रू. 01/-
मंगलवार, 20 अगस्त, 2024
twitter.com/janadeshtoday
facebook.com/janadeshtoday
janadeshtoday@gmail.com

किताबों की दुनिया... राजं तारा प्रकाशन

सीएम ममता से संतुष्ट नहीं, मुआवजा नहीं लेंगे...

राज्य सरकार विरोध-प्रदर्शन को दबाने की कोशिश कर रही है: पीड़िता के पिता

'हम सीएम ममता बनर्जी से संतुष्ट नहीं हैं। राज्य सरकार विरोध-प्रदर्शन को दबाने की कोशिश कर रही है। पूरा डिपार्टमेंट इसमें शामिल है। कॉलेज से भी किसी ने हमारी मदद नहीं की। हमने कोई भी मुआवजा लेने से इनकार कर दिया"

कोलकाता
पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता और अन्य हिस्सों में रविवार की रात सैकड़ों महिलाओं ने सड़क पर उतरकर 'रिक्लेम द नाइट' अभियान को दोबारा शुरू किया। महिलाओं ने सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में न्याय की मांग की।

सीबीआई टीम ने आरजी अस्पताल के अन्य क्षेत्रों का किया निरीक्षण
कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी के मामले की जांच कर रही सीबीआई टीम आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

डॉक्टरों ने दीवार पर चित्र बनाकर जताया विरोध
पश्चिम बंगालः कोलकाता में कलकत्ता मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने दीवार पर चित्र बनाकर आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी के मामले पर अपना विरोध और अपनी एकजुटता व्यक्त की।

टीएमसी नेता के बयान पर बरसे सुकांत मजूमदार
टीएमसी नेता उदयन गुहा के बयान पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, "कितने लोगों के हाथ आप तोड़ेंगे, उंगली काटेंगे"...पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर करोड़ों उंगलियां उठ रही हैं कि वे इस्तीफा दें। पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ममता बनर्जी को इस्तीफा देना चाहिए...मैं इस घटना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सभी लोगों को आश्वस्त करता हूं कि भाजपा

ट्रेनी डॉक्टर की डायरी के पन्ने गायब

ट्रेनी डॉक्टर की मां ने बताया कि उनकी बेटी रोज डायरी लिखती थी। हालांकि अब सामने आया है कि डायरी के कई पन्ने गायब (फटे) हैं। माना जा रहा है कि पीड़िता की मौत से जुड़ा कोई राज इन पन्नों में छिपा था। मृतका की मां का दावा है कि सबूत मिटाने के मकसद से पन्ने फाड़ दिए गए होंगे। पुलिस ने दूसरे सबूतों के साथ डॉक्टर का लैपटॉप और वह डायरी सीबीआई को सौंप दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एसआईटी को उस डायरी से इस घटना के बारे में कोई संकेत नहीं मिला था। हालांकि सीबीआई ने पीड़िता की डायरी को जांच का प्रमुख पहलू बना लिया है। पीड़ित के पिता ने बंगाल सरकार पर घटना को लेकर लोगों के आक्रोश को दबाने का भी आरोप लगाया।

सीएम ममता से संतुष्ट नहीं, मुआवजा नहीं लेंगे: पीड़िता के पिता

पीड़ित के पिता ने बंगाल सरकार पर घटना को लेकर लोगों के आक्रोश को दबाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'हम उट ममता बनर्जी से संतुष्ट नहीं हैं। राज्य सरकार विरोध-प्रदर्शन को दबाने की कोशिश कर रही है। पूरा डिपार्टमेंट इसमें शामिल है। कॉलेज से भी किसी ने हमारी मदद नहीं की। हमने कोई भी मुआवजा लेने से इनकार कर दिया है। पुणे के रेजिडेंट

डॉक्टरों ने पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाओं के अलावा बाकी सभी सवाएं बंद रखी गईं। पुणे के रेजिडेंट डॉक्टरों ने पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाओं के अलावा बाकी सभी सवाएं बंद रखी गईं।

सुप्रीम कोर्ट ने खुद नोटिस लिया, 20 अगस्त को सुनवाई
ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने रविवार (18 अगस्त) को स्वतः नोटिस लिया। 20 अगस्त को सुबह 10.30 बजे चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। बेंच में उखक के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा रहेंगे।

दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर डॉक्टरों का प्रदर्शन, ओपीडी भी लगाई

नई दिल्ली
दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टर आरजी कर मेडिकल कॉलेज के साथ एकजुटता दिखाते हुए आज यहां निर्माण भवन के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इनकी मांग है कि स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम (सीपीए) को शीघ्र लागू किया जाए । प्रदर्शनकारी डॉक्टर नारे लगा रहे हैं, हमें क्या चाहिए, क्या चाहिए, हमें न्याय चाहिए, न्याय चाहिए।
कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद से ही देशभर में आक्रोशित डॉक्टरों की तीखी प्रतिक्रिया मिल रही है। देशभर के चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी इसके खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। इसी क्रम में दिल्ली में भी डॉक्टर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्यालय निर्माण भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका प्रदर्शन जारी है। आज एम्स दिल्ली के प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने घोषणा की है कि वे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय कार्यालय के बाहर ओपीडी रखेंगे। वे अपनी चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल के हिस्से के रूप में निर्माण भवन के बाहर वैकल्पिक ओपीडी सेवाएं प्रदान करेंगे और लोगों की मुफ्त में स्वास्थ्य संबंधित समस्या सुनेंगे।

रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्र ने फंड में की कटौती: स्टालिन

नई दिल्ली
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को राज्य में रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्रीय निधि में कटौती पर निराशा व्यक्त की और कहा कि इस कदम से तमिलनाडु की प्रगति पर भारी असर पड़ेगा। नियमित रेल बजट 2024-2025 में दक्षिणी रेलवे के लिए निधि आवंटन में कमी के संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष मुद्दा उठाते हुए, उन्होंने तमिलनाडु में नई लाइनों, दोहरीकरण और ग्राहक सुविधा परियोजनाओं के लिए निर्धारित पर्याप्त निधियों के आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए मंत्री के हस्तक्षेप की मांग की।

सीएम एमके स्टालिन ने रेल मंत्री को लिखा पत्र
सीएम एमके स्टालिन ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को संबोधित एक पत्र में कहा, मैं दोहराता हूं कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं में धन की कमी के कारण और देरी नहीं होनी चाहिए। मैं इस संबंध में आपके व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूं।

'राज्य में परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर पड़ेगा प्रभाव'
इस मामले की ओर रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि निधि आवंटन में महत्वपूर्ण कमी का तमिलनाडु में परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर परिणामी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने पत्र में कहा, हम इस बात से निराश हैं कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए भारतीय रेलवे के नियमित बजट में कुछ लेखा शीर्षों के तहत दक्षिणी रेलवे के लिए धन का आवंटन उसी वर्ष के अंतरिम बजट में आवंटन की तुलना में बहुत कम है।

टीएमसी सांसद सुखेंदु रॉय ने पुलिस के नोटिस को दी चुनौती

कोलकाता
तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर करने की अनुमति मांगी। याचिका में पुलिस द्वारा भेजे गए नोटिस को चुनौती दी गई। कोलकाता पुलिस ने सुखेंदु शेखर रॉय को यह नोटिस कोलकाता में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के संबंध में किए गए सोशल मीडिया पोस्ट से को लेकर थमाया था।

केंद्र ने तीन तलाक को अपराध बनाने वाले कानून का बचाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया

नई दिल्ली
एक साथ तीन तलाक को अपराध करार देने वाले कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। इस हलफनामे में केंद्र ने कहा है कि मुस्लिम समुदाय में जारी तीन तलाक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का 2017 का आदेश भी तलाक के केसों को कम नहीं कर पा रहा है। ऐसे में इसे अपराध करार दिया जाना जरूरी है। केंद्र सरकार ने कहा है कि तीन तलाक की पीड़िताओं को पुलिस के पास जाने के अलावा कोई विकल्प मौजूद नहीं है। पुलिस भी इस मामले में मजबूर हो जाती थी कि

पहले इसे लेकर कोई कानून नहीं था, जिसकी वजह से पति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती थी। केंद्र सरकार ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित किये जाने के बावजूद इस पर रोक नहीं लग पाई थी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा है कि कोर्ट के फैसले के बाद भी देश भर में सैकड़ों इसके केस सामने आए, ऐसे में कानून लाना जरूरी था। केंद्र सरकार ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पूरी तरह अमल सुनिश्चित करने के लिए कानून वक़्त की जरूरत थी, ऐसे केस में 3 साल तक की सजा से इसे रोकने में मदद मिली है। उल्लेखनीय है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने ट्रिपल तलाक कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। बोर्ड ने कहा है कि तलाक ए बिद्दत को अपराध बनाना अंसवैधानिक है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

नई दिल्ली
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अपने-अपने आवास पर रक्षाबंधन का त्योहार स्कूली बच्चों के साथ मनाया। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इसकी वीडियो और तस्वीरें साझा की गई हैं। इसमें बच्चे उन्हें राखी बांध रहे हैं। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में देश भर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों और विद्यार्थियों के साथ रक्षा बंधन

मनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रक्षाबंधन दिल्ली में अपने आधिकारिक आवास 7 लोककल्याण मार्ग पर मनाया। उन्होंने स्कूली लड़कियों के साथ "विशेष" उत्सव की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, ह्णअपने युवा दोस्तों के साथ रक्षा बंधन मनाकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में वे बच्चों के साथ मिल रहे हैं और संवाद कर रहे हैं।

एक छात्रा ने पूछा कि आपने हमें विकसित भारत का सपना दिखाया। हमें इसके लिए क्या करना चाहिए। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें स्वस्थ्य रहना चाहिए, स्वच्छता रखनी चाहिए। स्वच्छता से समाज स्वस्थ होता है। देश के लिए हम क्या कर सकते हैं, अगर हम कर सकते हैं तो भलाई का काम करें। रक्षा बंधन, जिसे आमतौर पर राखी के नाम से जाना जाता है, एक पारंपरिक हिंदू त्योहार है, जो भाइयों और बहनों के बीच प्यार और बंधन को समर्पित है।

उदयपुर चाकूबाजी कांड: छात्र देवराज ने तोड़ा दम, अस्पताल के बाहर विरोध शुरू

बनी तनाव की स्थिति, इंटरनेट बंद

उदयपुर
चार दिन पहले (16 अगस्त) उदयपुर में हुई चाकूबाजी की घटना में घायल स्टूडेंट की मौत हो गई है। एमबी अस्पताल में भर्ती छात्र की दोपहर करीब 3 बजे तबीयत बिगड़ गई थी। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद अस्पताल के बाहर भारी पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया गया। छात्र के शव को मॉच्युरी में रखवाया गया है। छात्र की मौत के बाद अस्पताल के बाहर लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है और नारेबाजी कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इलाज के नाम पर हमें क्यों पागल बनाते रहे। मौके पर तनाव की स्थिति देखते हुए प्रशासन का जब्ता तैनात हो गया है। कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल, उदयपुर ग्रामीण फूल सिंह मीणा मौके पर मौजूद हैं।

इटरनेट सेवा बंद, अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात
शहर में बाजार से लेकर विभिन्न चौराहों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अफवाहों से शहर को बचाने के लिए नेटबंदी भी बढ़ा दी गई है। आज रात 10 बजे तक नेट बंद रहेगा। एमबी अस्पताल के चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। वारदात के दिन यहां बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई थी। ऐसे में अस्पताल परिसर में उदयपुर एसपी योगेश गोयल और अन्य अधिकारी खुद सुरक्षा व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

ये था पूरा विवाद
सूरजपोल थाना क्षेत्र के भाटियानी चौहटा स्थित आर्य समाज स्कूल के बाहर बीती 16 अगस्त को छात्रों में आपसी कहासुनी के बाद चाकूबाजी हो गई थी। दसवीं में पढ़ने वाले छात्र ने अपने सहपाठी पर चाकू से हमला कर दिया था।

मोदी 21 से 23 अगस्त तक पोलैंड और यूक्रेन के दौरे पर

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह दो देशों पोलैंड और यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा इस दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है कि वर्तमान में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार कार्यभार संभालने के बाद पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा पर रूस गए थे। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तनमय लाल ने विदेश मंत्रालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में बताया कि पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के निमंत्रण पर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह 21 और 22 अगस्त को पोलैंड की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 45 साल बाद पोलैंड की यात्रा है। यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं।

इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह एक ऐतिहासिक यात्रा भी है, क्योंकि हमारे राजनयिक संबंध स्थापित होने के 30 से अधिक वर्षों में यह पहली बार होगा कि कोई भारतीय प्रधान मंत्री यूक्रेन का दौरा करेगा। यह यात्रा नेताओं के बीच हाल की उच्च स्तरीय बातचीत पर आधारित होगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की समीक्षा बैठक की। निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पीएसबी प्रमुखों के साथ वित्त मंत्रालय के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की विभिन्न मापदंडों पर समीक्षा की गई।

वक्फ़ संशोधन बिल को लेकर मुस्लिम संगठनों ने की जेपीसी सदस्यों के साथ मुलाकात

संशोधन बिल स्पष्ट रूप से हमारे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप और वक्फ के खिलाफ एक बड़ी साजिश: मौलाना अरशद मदनी

नई दिल्ली
वक्फ़ संशोधन बिल-2024 को लेकर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीअत उलमा-ए-हिंद सहित अन्य मुस्लिम संगठनों का संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) सदस्यों के साथ मुलाकात का सिलसिला जारी है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के निर्देश पर जमीअत के सदस्य सभी विपक्षी दलों के नेता और संयुक्त संसदीय समिति के सदस्यों से लगातार मिल रहे हैं। इन मुलाकातों के दौरान सदस्यों के

जरिए जहां इस बिल के गलत और हानिकारक संशोधनों को चिह्नित किया जा रहा है, वहीं यह बताने का प्रयास भी हो रहा है कि बिल पारित होने की स्थिति में मुसलमानों पर इसके क्या हानिकारक प्रभाव हो सकते हैं। यह मुलाकातें राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर चल रही हैं। इसी सम्बंध में पिछले दिनों जमीअत उलमा महाराष्ट्र का एक प्रतिनिधिमंडल जेपीसी में सदस्य के रूप में शामिल म्हातरे बाल्य मामा (एनसीपी शरद पवार) और अरविंद सावंत (शिवसेना) से मुंबई में मुलाकातें कीं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीअत उलमा-ए-हिंद का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल 20 अगस्त को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से भी मुलाकात करने वाला है। बिहार समेत अन्य राज्यों में भी जमीअत उलमा के सदस्य राजनीतिक दलों के नेताओं और जेपीसी के
यदस्यों से मुलाकातें करके प्रस्तावित बिल की खामियों और इसकी हानिकारक धाराओं के बारे में बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यह सदस्य एनडीए की सहयोगी पार्टियों तेलुगु देशम, लोक जनशक्ति पार्टी और जेडीयू के नेताओं से भी मुलाकातें करके इस बिल में मौजूद उन घातक धाराओं की ओर उनका ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास कर रहे हैं, जो पुराने बिल में संशोधन करके नए बिल में जोड़े गए हैं। उन्हें बताया जा रहा है कि अगर अपने वर्तमान रूप में यह बिल पारित हो गया तो वक्फ की सम्पत्तियों को क्या नफा-नुकसान होगा। क्योंकि वक्फ़ ट्रिब्यूनल को समाप्त करके सभी अधिकार जिला कलेक्टर को देने की साजिश हो रही है। इन लगातार मुलाकातों का सकारात्मक प्रभाव भी दिख रहा है। जेपीसी के बहुत से सदस्यों को तो यह भी नहीं मालूम कि वक्फ़ क्या होता है और इसके धार्मिक निहितार्थ क्या है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के सदस्य इस सम्बंध में उन्हें पूरा विवरण दे रहे हैं। आजादी के बाद से अब तक वक्फ़ नियमों में समय-समय पर जो संशोधन हुए, उनके बारे में भी सदस्यों को सूचित कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि जेपीसी में कुल 31 सदस्य शामिल हैं, जिनमें 21 लोकसभा और दस राज्यसभा के सदस्य हैं। 22 अगस्त को जेपीसी की पहली मीटिंग भी बुलाई गई है। इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि संशोधनों के जो विवरण सामने आए हैं, उसने हमारी इस आशंका को यक़ीन में बदल दिया है कि वक्फ़ के सम्बंध में सरकार की नीयत ठीक नहीं है, बल्कि संशोधन के नाम पर जो नया बिल लाया गया है।

सावन के आखिरी सोमवार पर काशी विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

वाराणसी। सावन के 5वें और आखिरी सोमवार के दिन शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों की लाइन में भक्त दिखे। कुछ ऐसी ही झलक उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में देखने को मिली। काशी विश्वनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में शिव भक्त पहुंचे। यहां देर रात से भक्तों के आने का सिलसिला जारी रहा। यहां मंगला आरती के बाद भक्तों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। इधर, श्रद्धालु की भारी भीड़ को देखते हुए बैरिकेडिंग की गई। बताया गया कि तीन प्रमुख द्वारों से भक्तों को दर्शन पूजन कराया गया। भक्तों ने बाबा के दर्शन के साथ ही साथ माता पार्वती, भगवान

गणेश के भी दर्शन किए। मंदिर का पूरा परिसर हर-हर महादेव से गूंजता रहा।

बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए पंजाब से पहुंची सीमा सोढ़ी ने कहा कि यहां आकर मन प्रसन्न हो गया है। यहां भक्तों की भारी भीड़ के बावजूद अच्छे से दर्शन हुए हैं। हम परिवार के साथ यहां पर आए हैं। बहुत अच्छा लग रहा है, यहां पर प्रशासन द्वारा अच्छे से व्यवस्था की गई है।

लखनऊ से बाबा के दर्शन करने पहुंचे कमलकांत मिश्रा ने कहा कि यहां बहुत भीड़ है। समय लगा है, लाइन में लगे रहे। लेकिन, दर्शन बहुत अच्छे से हुआ है। प्रशासन ने उचित व्यवस्था की हुई थी। जिससे किसी भी भक्त को दर्शन के दौरान परेशानी न हो।

रमेश चंद शर्मा ने कहा कि यहां की आस्था देखते ही बनती है। यहां का माहौल भक्तिमय है। यहां आने वाले लोगों में बाबा का विश्वास है। किसी भी भक्त को कोई परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन के द्वारा उचित प्रबंध किए गए हैं। लाइन में लगे सभी भक्तों का अच्छे से दर्शन हो रहा है।

बता दें कि यह सावन 5 सोमवार का था।

अष्ट शहीदों की स्मृति में आयोजित इनामी कुस्ती दंगल प्रतियोगिता सम्पन्न

भांवरकोल /गाजीपुर। क्षेत्र के शेरपुर गांव के अष्ट शहीदों की स्मृति में परम्परागत इनामी कुस्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ।दंगल में जहां बड़े जोड़ के पहलवानों ने अपनी कुस्ती कला का जोरदार प्रदर्शन किया वहीं नवोदित पहलवानों की धूम रही।इसके पूर्व दंगल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि अवध किशोर राय एवं जयानंन्द राय ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि कुस्ती कला ग्रामीण क्षेत्र की पुरानी कला रही है। हमारे जिले के कई पहलवानों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले एवं देश का नाम रौशन किया है। आज कुस्ती को संरक्षण देने की आवश्यकता है ताकि इस जिले के नए पहलवान उभर कर आगे आएं। दंगल में शमशेर ने अजय को धूल चटाई।। रणजीत महराजगंज एवं विशाल मुहम्मदाबाद की कुस्ती बराबर रही। भारत केशरी सुमित पहलवान एवं मृत्युंजय के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। छोटे बलिया एवं प्रांज्जल के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। वहीं अरबइन्द चंदौली एवं राहुल के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। बड़े जोड़ के पहलवानों में जितेन्द्र बलिया केशरी एवं जसवंत वाराणसी के बीच 40 हजार की कुस्ती बराबरी पर छूटी। मौके पर आयोजन समिति ने पूर्व पहलवानों को साफा बांधकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर हरिहर राय, थानाध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी, पहलवान विकास राय,दीपक राय, जयानंन्द राय मोनू , ज्ञानेन्द्र राय,वसीम टाईगर,अलिम अहमद, रबीन्द्र मिश्रा, रणजीत राय,हरेन्दर पहलवान,नागा राय,अजय राय,झबलू काका,मयंक राय, प्रदीप राय आदि लोग मौजूद रहे । अन्त में कार्यक्रम के आयोजक विकास राय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया।

सीतापुर : रक्षा बंधन पर बीफ वाली सेवई बेचने का मामला

सीतापुर। रक्षा बंधन के अवसर पर सीतापुर के घंटा घर इलाके में एक विवादास्पद घटना सामने आई है। यहां बीफ वाली सेवई बिक रही थी, जिस पर निर्माण "यूएसए" लिखा हुआ था। यह सेवई विशेष समुदाय के लोगों द्वारा बेची जा रही थी, जिसके चलते स्थानीय ग्राहकों ने दुकान पर हंगामा किया।

घटना के बाद जब ग्राहक भड़क गए, तो पुलिस ने मामले को सुलझाने के बजाय इसे रफादफा कर दिया। इस घटना ने स्थानीय समुदाय में आक्रोश फैलाया है, और लोगों ने दुकानदार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

अयोध्या और प्रयागराज में सावन के अंतिम सोमवार पर उमड़ा सैलाब, भक्तों ने लगाई आस्था की डुबकी

अयोध्या। सावन का आज आखिरी सोमवार है। रामनगरी अयोध्या में सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगी हुई हैं।

सावन के अंतिम सोमवार के मौके पर शिव भक्त सरयू नदी में स्नान कर सिद्ध पीठ नागेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए पहुंचे। इस दौरान रामनगरी अयोध्या में उमड़ी श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए।

अयोध्या के एक पुजारी ने बताया

कि आज सावन का अंतिम सोमवार है और पूर्णिमा भी है। श्रद्धालुओं द्वारा सुबह से ही सिद्ध पीठ नागेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि करीब पांच से छह लाख श्रद्धालु आज पहुंचे हैं।

एक श्रद्धालु ने कहा, ह्लअयोध्या के सिद्ध पीठ नागेश्वर नाथ मंदिर में दर्शन किए। प्रशासन की तरफ से मंदिर में अच्छा इंतजाम किया गया है। मंदिर में दर्शन करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

उधर प्रयागराज के संगम तट पर पूर्णिमा और सावन के आखिरी सोमवार पर श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर स्नान किया। उन्होंने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और सूर्यदेव को जल अर्पण किया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने मां गंगा से सुख समृद्धि की कामना की।

बता दें कि सोमवार पर भोलेनाथ की पूजा अर्चना के लिए विशेष विधि विधान है। सावन माह भोले

धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

भांवरकोल /गाजीपुर। भाई बहन के अटूट स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व दोपहर भद्रा का साया समाप्त होने के बाद क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके दीर्घ जीवन की कामना की। भाइयों ने बहनों को आजीवन उनकी रक्षा करने का वचन दिया। पंडितों ने यजमानों को रक्षासूत्र बांधा। बहनों ने भाइयों के लिए दुआ मांगी। घरों में विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए गए।

मंदिरों में पूजा अर्चना कर राखी बांधी गईं। पंडितों ने यजमानों को रक्षासूत्र बांधा। वही क्षेत्र के कनुवान गांव निवासी बिहार राज्य के समस्तीपुर जिला जज शशिकांत राय अपनी बहन से अपनी कलाई पर राखी बाधवाये। साथ मे बैठी उनकी माताजी एवं पूर्व ग्राम प्रधान नीलम राय वहां मौजूद रही। वही

मिठाई की दुकानों में काफी भीड़ रही। बहनों और भाईयों का एक दूसरे के घर आने जाने का सिलसिला दोपहर से ही शुरू हो गया था जो देर शाम तक चला रहा। क्षेत्र के शेरपुर ,कुंडेश्वर ,वीरपुर, सोनाड़ी, अवथहीं ,अमरूपुर ,मसोन, सुरनी कनुवान, सियाड़ी आदि ग्रामीण इलाकों में भी रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया गया।

चिड़ैया थाना पुलिस ने टॉप 10 घोषित अपराधी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जिले के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के आजाद नगर गंज स्थित ध्यानम क्लासेज कोचिंग सेंटर पर गत माह के 27 जुलाई को बदमाशों द्वारा तोड़फोड़ व गोलीबारी मामले का एक आरोपी जो जिला पुलिस द्वारा जारी टॉप-10 बदमाश की सूची में शामिल कनरिया थाना क्षेत्र के हसुलिया निवासी नंदकिशोर यादव को चिड़ैया थाना पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया।

सोमवार को बख्तियारपुर थाना में एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने प्रेस वार्ता आयोजित कर गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी साझा करते हुए बताया कि चिड़ैया थाना पुलिस ने रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर नंदकिशोर यादव को गिरफ्तार किया है। नंदकिशोर यादव पर कोचिंग संस्थान पर तोड़फोड़ व गोलीबारी का आरोप है। एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि ध्यानम क्लासेज कोचिंग संस्थान के डायरेक्टर द्वारा रंगदारी को लेकर गोलीबारी व मारपीट का केस दर्ज कराया गया था। वह केस अनुसंधान के क्रम में पूरी तरह झूठा निकला है।

उन्होंने बताया कि प्रेम प्रसंग को लेकर कुछ युवकों द्वारा तोड़फोड़ व गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था। रंगदारी का मामला पुरी तरह निराधार व झूठा साबित हुआ है। उपरोक्त मामले में चिड़ैया पुलिस ने इसी माह के 14 अगस्त को थाना क्षेत्र के रैठी-काटी रोड में दुदरी बाबा स्थान के पास से पुलिस ने दो आरोपी युवक सलखुआ थाना क्षेत्र के टेंगराहा गांव निवासी अशोक यादव के पुत्र गुड्डू कुमार व चिड़ैया थाना क्षेत्र के कबीरा गांव निवासी अशोक यादव के पुत्र पिक्कु कुमार को गिरफ्तार किया था।

श्रावण मास में काशी अनुपूर्णेश्वरी का हुआ हरियाली श्रृंगार

सावन के पूर्णिमा तिथि पर देवी अन्नपूर्णा का हुआ श्रृंगार

वाराणसीः- सावन के पूर्णिमा तिथि पर भगवती अन्नपूर्णा का हरियाली श्रृंगार किया गया इस दौरान मंदिर प्रांगण समेत पूरे परिसर को सुगंधित पुष्पों और विद्युत झालरों से सजाया गया` माता के गर्भगृह को रातरानी, बेला,गुलाब,गेंदा,अशोक और कामिनी की पत्तियों से सजाया गया था मध्याह्न भोग आरती के बाद से झांकी दर्शन सुरू हुआ जो देर रात मंदिर कपाट बंद होने तक तक

चलता रहा` मंदिर प्रबंधन काशी मिश्रा ने बताया कि सुबह मंगल बेला में महंत शंकर पूरी ने माता को पंचामृत स्नान कराया गया इसके बाद उनका श्रृंगार किया गया उसके बाद आम भक्तों के दर्शन के लिए माता का कपाट खोल दिया गया` मंदिर के महंत ने शाम को माता की विशेष आरती की इसके बाद माता को भोग लगाया गया,भक्तों में प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया`

भू-माफियाओं से परेशान परिवार ने केशव प्रसाद मौर्य का रोका काफिला

मिजार्पुर (उत्तर प्रदेश),। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रविवार को मिजार्पुर दौरे पर थे। इस दौरान भू-माफियाओं से परेशान पीड़ित परिवार ने डिप्टी सीएम का काफिला रोककर उनसे मदद की गुहार लगाई।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का काफिला पीड़ित परिवार ने रोक लिया। हाथों में बैनर लेकर उन्होंने केशव प्रसाद मौर्य से माफिया पर कार्रवाई करने गुहार लगाई। इस दौरान डिप्टी सीएम ने गाड़ी से बाहर आकर पीड़ित परिवार की समस्या सुनी।

उन्होंने पीड़ित परिवार से आवेदन

भी लिया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

लालगंज निवासी पीड़ित बृजेश गिरि ने बताया कि उसकी लालगंज क्षेत्र में कई बीघा जमीन है। गांव के ही कुछ यादव दबंग परिवार के लोगों ने उसकी जमीन पर कब्जा कर रखा है। उस परिवार का सदस्य गांव में प्रधान भी रह चुका है।

गिरि ने बताया कि भू माफिया उसकी जमीन पर खेती कर रहा है जबकि उनका परिवार अपनी जमीन होने के बावजूद भूखों मर रहा है। थाने, तहसील और जिलाधिकारी के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक के यहां भी आवेदन पत्र दिया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इससे पहले मिजार्पुर दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मझवां विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर रविवार को बड़ा दावा किया।

मुरादाबाद में नर्स से हैवानियत, डॉक्टर पर बलात्कार का आरोप, केस दर्ज

मुरादाबाद। कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले में देश भर में लोगों का आक्रोश है। इस बीच, मुरादाबाद के कोतवाली ठाकुरद्वारा क्षेत्र के निजी अस्पताल में अनुसूचित जाति की एक नर्स से हैवानियत की एक और खबर आई जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। नर्स को बंधक बनाकर डॉक्टर ने बलात्कार की वारदात को अंजाम दिया।

पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के साथ अन्य दो को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान शाहनवाज (डॉक्टर), (जुनैद) वार्ड बॉय और नर्स (मेहनाज) के तौर पर हुई है। अस्पताल को भी सील कर

दिया गया है।

इन तीनों के खिलाफ संगीन धाराओं के तहत एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अस्पताल को सीज कर दिया गया है। पुलिस ने कहा, जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी अस्पताल में पिछले 10 माह से नर्स के तौर पर जॉब कर रही थी। 17 अगस्त को अस्पताल में उसकी नाइट ड्यूटी थी। अस्पताल में दूसरी नर्स ने उसे कहा कि डॉक्टर ने बुलाया है। लेकिन मेरी बेटी ने जाने से इनकार कर दिया।

इसके बाद वार्ड बॉय जुनैद और नर्स मेहनाज उसे जबरन बंधक बनाकर अस्पताल के ऊपर बने कमरे में ले गए। दोनों ने बाहर से ताला लगा दिया। इस दौरान, डॉक्टर ने नर्स से बलात्कार किया। पीड़िता मदद के लिए चीखती रही, चिल्लाती रही। लेकिन, कोई भी मदद के लिए नहीं आया। आरोपी ने पीड़िता को धमकाया और किसी को कुछ भी बताने से मना किया। ऐसा न करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। साथ ही जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया।

पप्पू यादव के डाक्टरों के खिलाफ बयान पर भड़का आईएमए

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव कोलकाता में हुए डॉक्टर रेप मर्डर मामले के विरोध में डॉक्टरों द्वारा किए जा रहे हड़ताल पर लगातार विरोधी बयान के बाद आईएमए भड़क गया है। बिहार आईएमए ने प्रेस रिलीज जारी कर पप्पू यादव के इस बयान की भर्त्सना की है। पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर तथा चैनलों पर दिए अपने बयान में कहा है कि डॉक्टर के हड़ताल के कारण 12 लोगों की हत्या हो गई इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा। उन्होंने कहा है की कोलकाता रेप कांड में अगर कोई डॉक्टर ही दोषी पाए गए तो क्या सभी डॉक्टर अपने ऊपर जिम्मेवारी लेंगे। जहां भी डॉक्टर बलात्कारी होता है वहां डॉक्टर समाज को सांप क्यों सूंघ जाता है। सांसद पप्पू यादव ने अपने फेसबुक पोस्ट पर लिखा है कि सरकारी डॉक्टर हड़ताल पर है और प्राइवेट हॉस्पिटल जमकर मरीजों को लूट रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है कि अगर आप कोलकाता की घटना से क्रोधित है तो निजी नर्सिंग होम और अस्पताल में नकद पैसे लेकर प्रैक्टिस कैसे जारी है? इसके बाद बिहार ई एम ए ने आज शाम एक प्रेस रिलीज जारी किया और पप्पू यादव के इन बयानों के खिलाफ अपनी नाराजगी दिखाई है। आई एम ए ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहां है कि आर जे मेडिकल कालेज में हुई वीभत्स घटना के बाद डाक्टरों के द्वारा किए गए हड़ताल पर सांसद पप्पू यादव ने डॉक्टर पर दुर्भावना पूर्ण अवांछित तथा अपमानजनक आरोप लगाया है। जिसका इंडियन मेडिकल एसोसिएशन घर भर्त्सना करता है। जारी प्रेस रिलीज में कहां गया है कि सांसद पप्पू यादव को अपने सामने एक आईना रख लेना चाहिए उसके बाद कुछ बोलना चाहिए। उन्हें यह भी चाहिए कि उनके परिवार के लोग भी डॉक्टर हैं उनसे भी उनकी प्रतिक्रिया लेनी चाहिए। पप्पू यादव एक जनप्रतिनिधि है और उनका चित्र चिकित्सकों के प्रति विरोध सर्वविदित है। प्रेस रिलीज में कहा गया है कि हम लगातार जनता की सेवा करते रहेंगे लेकिन अगर डाक्टरों पर कोई अमानवीय अथवा इनके साथ कोई घटना होती है तो हम द्दढ़ता पूर्वक विरोध करेंगे।

अयोध्या में 36 हजार से अधिक रोजगार के अवसर लेकर आई 48 कंपनियांल

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को उनके गृह जनपद में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेशभर में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं रामनगरी अयोध्या में जहां एक तरफ विकास कार्यों को तेज गति से पूरा किया जा रहा है, साथ ही यहां के स्थानीय युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियां रोजगार देने में भी अच्छी खासी रुचि दिखा रही हैं। 18 अगस्त को अयोध्या आयोजित रोजगार मेले में 36 हजार से अधिक जॉब्स ऑफर लेकर 48 से अधिक कंपनियां शामिल हुईं।

अयोध्या में स्थानीय युवाओं के सामने रोजगार के अवसर लेकर आने वाली कंपनियों में अधिकांश मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन और आईटी जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं। रोजगार मेले में 10 हजार से अधिक युवाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया था, वहीं अबतक इनमें से साढ़े पांच हजार से अधिक युवाओं को प्लेसमेंट का ऑफर भी मिल चुका है। अयोध्या में रोजगार के अवसर लेकर आने वाली कंपनियों में इंस्टा ह्यूमन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, सुजलॉन एनर्जी, टंबल ड्राई सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, करियर ब्रिज, रीचा आईबीएम जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 3415 से अधिक छात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्टफोन भी वितरित किए गए। सरकार का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने का है, ताकि भविष्य की चुनौतियों के लिए उन्हें तैयार किया जा सके। जनपदों में रोजगार मेला का आयोजन उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तथा प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय तथा एमएसएमई विभाग के तत्वावधान में किया जा रहा है।

बता दें कि प्रदेश में मिशन रोजगार अभियान के तहत हर जिले में रोजगार मेलों का आयोजन योगी सरकार द्वारा किया जा रहा है। बीते साढ़े सात साल में साढ़े छह लाख से अधिक सरकारी और दो करोड़ से अधिक युवाओं को निजी सेक्टर में नौकरियों के अवसर प्राप्त हो चुके हैं। स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण मेलों में शामिल होकर युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर रहे हैं। दो दिन पहले ही में अंबेडकर नगर में भी सीएम योगी ने 6 हजार 7 सौ से अधिक युवाओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। इसके साथ ही 13 हजार से अधिक विद्यार्थियों को टैबलेट देकर टेक्नोलॉजी के जरिए सशक्त किया गया।

किसानों को जलवायु परिवर्तन के खतरों से बचाएगी योगी सरकार

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले देशों में से एक

लखनऊ
जलवायु परिवर्तन खेतीबाड़ी के लिहाज से यही भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है। भारत के लिए तो और भी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले देशों में से एक है। यह संकट तब और बड़ा हो जाता है जब यही रिपोर्ट यह कहती है कि दुनिया की सबसे उर्वर भूमि में शुमार इंडो गंगेटिक बेल्ट पर जलवायु परिवर्तन का व्यापक स्तर पर प्रभाव पड़ेगा। फिलहाल इस बेल्ट में अभी दुनिया का करीब 15 फीसद गेहूं पैदा होता है। वर्ष 2050 तक जलवायु परिवर्तन के कारण इसमें 50 फीसद तक कमी संभव है। स्वाभाविक है कि उत्तर प्रदेश में बिजनौर से बलिया तक गंगा के विस्तार को देखते हुए उत्तर प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन से इंडो गंगेटिक बेल्ट के प्रदेश में विस्तार के अनुसार प्रभावित होगा। चूंकि उत्तर प्रदेश दूध समेत खाद्यान्न, साग भाजी और कई फलों के उत्पादन में देश में अग्रणी है लिहाजा इस जलवायु परिवर्तन का असर सिर्फ उत्तर प्रदेश पर ही नहीं पूरे देश के खाद्यान्न और पोषण सुरक्षा पर पड़ेगा। इसका असर देश और प्रदेश पर कम से कम हो, इसके लिए प्रदेश की योगी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। केंद्र की मोदी सरकार का भी इसमें भरपूर योगदान है। एक्सपर्टस की मानें तो इस संकट से निबटने के लिए कुछ मूल मंत्र हैं। मसलन कृषि विविधिकरण, फसलों का आच्छादन बढ़ाना, कृषि जलवायु के अनुकूल प्रजातियों का विकास, कम लागत में अधिक उत्पादन, प्राकृतिक खेती और तैयार उत्पाद का समय से वाजिब दाम।

योगी सरकार में पूरी हुईं तीन दर्जन से अधिक सिंचाई परियोजनाएं:
इन सबमें सिंचाई के संसाधनों के विस्तार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। संयोग से उत्तर प्रदेश पर इस मामले में प्रकृति और ईश्वर की बहुत कृपा रही है। रही सही कसर योगी सरकार ने दशकों से अधूरी पड़ी बाण सागर, अर्जुन सहायक नहर और सरयू नहर राष्ट्रीय योजनाओं को पूरा करके कर दिया। छोटी और मझोली परियोजनाओं को शामिल कर लें तो योगी सरकार के कार्यकाल में तीन दर्जन से अधिक सिंचाई परियोजनाएं पूरी हुईं। इनके पूरा होने से 23.23 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त भूमि सिंचित हुई। उत्तर प्रदेश में कृषि भूमि का 86 फीसद रकबा सिंचित है।

बढ़ा फसलोच्छादन और कृषि विविधिकरण:
सिंचन क्षमता के विस्तार तथा अलग-अलग 9 एग्रो क्लाइमेट जोन के नाते फसलोच्छादन और कृषि विविधिकरण भी बढ़ा है। इससे एकल खेती से होने वाला जोखिम भी घटा है। सरकार लगातार इसे बढ़ावा भी दे रही है। किसानों के लिए फसल तैयार होने के बाद उसका वाजिब दाम मिलना सबसे बड़ी आवश्यकता होती है। केंद्र की मोदी सरकार के कार्यकाल में न केवल फसलों की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को बढ़ाया गया, बल्कि इनके दायरे में कृषि विविधिकरण और क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निबटने के लिए नई फसलों को भी लाया गया। हाल ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने तुअर, उड़द और मसूर को भी एमएसपी पर खरीदने की घोषणा की। इसके बहुआयामी लाभ होंगे।

दलहन का घटेगा आयात, बचेगी विदेशी मुद्रा:
दलहन की खेती को प्रोत्साहन मिलने और इसका आयात घटने से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचेगी। उल्लेखनीय है कि भारत विश्व में दलहन का सबसे बड़ा आयातक देश है। दुनिया की सर्वाधिक आबादी होने के नाते जब भी यहां मांग अधिक निकलती है अंतर्राष्ट्रीय बाजार टाइट हो जाते हैं। इससे आयात का बजट बढ़ जाता है। दलहन का उत्पादन और उपलब्धता बढ़ने से गरीबों को जरूरी मात्रा में प्रोटीन मिल सकेगा। दलहन की सभी फसलें प्रकृति से नाइट्रोजन लेकर भूमि में फिक्स करती हैं, इसका लाभ अगली फसल के लिए बोनस होगा। यही नहीं दलहन की उड़द, मूंग,उड़द जैसी फसलें शॉर्ट ड्यूरेशन की होती हैं। इससे रबी और खरीफ के बीच एक और फसल लेने के लाभ के अलावा फसलोच्छादन भी बढ़ेगा।

जिला कारागार में मनाया गया रक्षा बंधन का त्यौहार

सहारनपुर
भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षा बंधन का पर्व पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है, वहीं जनपद के जिला कारागार में भी बहनों ने पहुंच कर बड़े धूमधाम से यह पर्व मनाया, इस बार रक्षा बंधन का पर्व जिला कारागार में बड़े उत्साह व हर्सोउल्लास के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन के पर्व के दौरान भाई बहन के मध्य बड़ा ही उल्लास देखने को मिला। जिला कारागार के बाहर बहनों की बड़ी लंबी लाइन देखने को मिलीं। इन बहनों ने जेल में निरुद्ध अपने भाइयों के साथ मिलकर रक्षा बंधन का पर्व मनाया। बहने जेल पहुंची और अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और माथे पर तिलक कर जल्द से जल्द कारागार से निकलने की दुआ मांगी। जिला कारागार में बड़ी संख्या में बहनों ने पहुंचकर भाइयों को राखी बांधी तिलक किया और भाइयों की लंबी उम्र की कामना की। जिला कारागार में जेल अधीक्षक सत्य प्रकाश द्वारा रक्षा बंधन के पर्व पर विशेष इंतजाम किए गए थे, राखी, मिठाई और तिलक की सामग्री भी जिला कारागार की ओर से उपलब्ध कराई गई, वहीं सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी तथा चाक चौबंद थी, उन्होंने कहा ये पहल कैदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए की गई, इसे लिए जेल में प्रशिक्षण शिविर भी चलाए जाते हैं, ताकि लोग हुनरमंद बने और आत्मनिर्भर होकर अपराध की दुनिया को अलविदा कह दें।

रक्षाबंधन पर्व मनाया गया धूमधाम से, बाजारों में चहल-पहल,मिष्ठान राखी विक्रेताओं की चांदी

औरंगाबाद/बुलंदशहर
रक्षाबंधन पर्व कस्बे और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। बहिनों ने अपने भाईयों की कलाईयों पर रक्षा सूत्र बांधा और अक्षत रोली से तिलक कर उनके दीघार्यु होने की कामना करते मिष्ठान खिलाकर मूंह मीठा कराया। भाईयों ने बहिनों को उपहार आदि नेग देकर सम्मानित किया।
बाजारों में भारी चहल-पहल रही। राखी, मिष्ठान, रेडिमेड गारमेंट सौंदर्य प्रसाधन आदि विक्रेताओं की जमकर बिक्री हुई। भाई बहनों के आवागमन के चलते सड़कों पर भीड़ भाड़ रही और लगातार जाम जैसी स्थिति बनी रही।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

मोदीनगर
दहेज में पांच लाख रुपये और कार की मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल वालों ने विवाहिता को पीटकर घर से निकाल दिया। पुलिस ने आरोपी पति सहित आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।
निवाड़ी स्थित आमद बागपत महमदपुर गांव निवासी राखी की शादी मार्च 2019 में भोजपुर के गांव अतरौली निवासी पवन के साथ हुई थी। आरोप है कि ससुराल वाले शादी में मिले दहेज से नाखुश थे और दहेज में पांच लाख रुपये नकदी व कार की मांग कर रहे थे। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर बीते दिनों ससुराल वालों ने विवाहिता को बेरहमी से पीटकर घर से निकाल दिया। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर पति पवन, जेठ मन्टू, राजकुमार व सास उषा, ससुर जयकिशन, देवर रजनीश, कुलदीप और जेठानी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

वर्दी पर दाग : रिश्वत लेने वाले प्रशिक्षु दरोगा पर रिपोर्ट दर्ज

लोनी
पीड़ित से उधारी के 15 हजार रुपये दिलाने की एवज में पांच हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोपी प्रशिक्षु दरोगा जगपाल सिंह पर लोनी बॉर्डर थाने में रविवार को भ्रष्टाचार अधिनियम का मुकदमा दर्ज हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रशिक्षु दरोगा ने पांच हजार रुपये लेने की बात कबूल की थी। चौकी प्रभारी ने वीडियो के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया कि प्रशिक्षु दरोगा जगपाल सिंह के खिलाफ रिश्वत लेने का मामला सामने आया था। इस मामले में संगम विहार पुलिस चौकी प्रभारी आरिफ अली ने थाने पर शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने प्रशिक्षु दरोगा जगपाल सिंह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का हवाला दिया। वीडियो में जगपाल सिंह एक व्यक्ति को किसी मुकदमे से बचाने के एवज में रुपये के लेनदेन की बात कह रहे हैं। इतना ही नहीं, प्रशिक्षु दरोगा व्यक्ति को अपशब्द के बाद पांच हजार रुपये लेने व बाकी सात हजार रुपये बाद में लेने की बात कहता नजर आ रहा है। इस मामले में प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट होता है कि जगपाल सिंह द्वारा वीडियो में पैसे मांग रहा है। वीडियो से पुलिस की छवि धूमिल हुई है। प्रशिक्षु दरोगा पर धारा-7 भ्रष्टाचार अधिनियम, 13 और 352 में रिपोर्ट दर्ज हुई है। वीडियो वायरल के बाद अधिकारियों ने जगपाल सिंह को निलंबित कर दिया था। उसके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू हो गई है। संगम विहार चौकी क्षेत्र के आकाश ने बताया कि उन्होंने विशाल को 15 हजार रुपये उधार दिए थे। सात हजार रुपये ऑनलाइन और आठ हजार रुपये नकद दिए थे। तय समय पर पैसे नहीं मिलने पर पीड़ित मांग कर रहा था लेकिन विशाल रुपये नहीं देने के लिए टाल रहा था। इस बात को लेकर दोनों में विवाद भी हुआ था।

जनवरी माह से कौशांबी बस अड्डे से 14 जिलों से शुरू होगी ई-बस सेवा

साहिबाबाद
कौशांबी बस अड्डे से जनवरी में 14 जिलो से रोडवेज की 38 ई-बसें जुडेंगी। जहां से ई-बस सहित लंबी दूरी के लिए एसी और देहात के क्षेत्रों के साधारण बसों को जोड़ा जाएगा। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अपने-अपने डिपो से जुड़ने वाले गांव की सूची तैयार कर रहे हैं। सितंबर से साहिबाबाद डिपो पर करीब सात करोड़ रुपये की लागत से तीन एमबीए और पांच एमबीए के आठ चार्जिंग प्वाइंट लागने और विद्युत कनेक्शन का काम शुरू होगा।गाजियाबाद रीजन में साहिबाबाद, कौशांबी, लोनी, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, खुर्जा और सिकंदराबाद डिपो आते हैं। इन सभी डिपो में कौशांबी बस अड्डा सबसे बड़ा है। जहां से रोजाना 20 हजार से अधिक यात्री लंबी दूरी से लेकर छोटी दूरी की यात्रा करने के लिए आते है। जहां से यात्रियों को सफर के लिए समय पर बसें उपलब्ध होंगी और उन्हें समय पर ही मंजिल तक पहुंचाएंगी। वहीं यात्रियों को समय और पैसे दोनों की बचत होगी। कौशांबी बस अड्डा पर रोडवेज की ई-बस, वोल्वो, एसी और साधारण बसें हब एंड स्पोक मॉडल पर चलेंगी। यह नाम रोडवेज की ओर से साइकिल के पहिये के नाम पर रखा गया है। जिसमें कौशांबी बस अड्डा को सेंट्रल हब बनया गया है। जहां से यात्रियों को लंबी, छोटी सहित गांव को जोड़ने वाली बसें मिलेंगी।

इन शहरों से जुडेंगी ई बसें :
हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, अलीगढ़, कासगंज, आगरा, मथुरा, शामली, मेरठ, धामपुर, कालगढ़ । रोडवेज की ओर से एसी और इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी की जा रही है। इन बसों को हब एंड स्पोक मॉडल पर चलाया जाएगा। इसके साथ ही साधारण बसों को गांव से जोड़ा जाएगा। जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक जाने में आसानी होगी।

52वे दिन भी धरने पर डटे हुए है किसान

तीतरों
निमार्णाधीन शामली-अंबाला हाईवे पर बरसात के मौसम में भी किसान टेंट में अपनी भूमि के अधिग्रहण का मुआवजा पाने के लिए धरना दे रहे हैं। कलसी में52वें दिन भी किसान भारी बरसात में टपकते टेंट में धरना दे रहे हैं। भाकियू नेता चौधरी देशपाल सिंह का कहना है कि कलसी, रामरायखेड़ी व बाल्लू के किसान पिछले छह माह से प्रशासन से अपनी भूमि के मुआवजे की मांग करते चले आ रहे है परंतु सरकार व जनप्रतिनिधि कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनैतिक दलों को किसानों की चुनाव के दौरान ही याद आती है परंतु मौसम की मार झेल रहे किसानों की सुध लेने का समय अब किसी भी दल के लोगों के पास नहीं है।
बलराम सिंह ने कहा कि किसान शासन व प्रशासन की कार्रवाई से डरने वाले नहीं हैं। अपनी भूमि का मुआवजा लिए बगैर धरना नहीं हटेगा। न ही हाईवे अथॉरिटी को समझौते के मुताबिक तीन किमी की परिधि में निर्माण करने देंगे। धरने पर राजेश कुमार, दिलशाद, जसवीर सिंह, संदीप कुमार, अरविंद प्रधान, सतेंद्र पंवार, यशपाल सिंह, जनेश्वर सिंह, रूल्हा सिंह, सेवाराम आदि रहे।

मंत्री नन्दी की कलाई पर सैकड़ों बहनों ने बांधी नेह की डोर

-महिला पुलिस अधिकारियों व आरक्षियों ने नन्दी की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र

-चैथम लाइन और पुलिस लाइन में रक्षाबंधन उत्सव का हुआ आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने प्रयागराज में भाई बहन के परस्पर स्नेह का पर्व रक्षाबंधन बहुत ही खास अंदाज में मनाया। नन्दी द्वारा चैथम लाइन में रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया गया। जहां प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा एवं विभिन्न क्षेत्रों से आई 900 से अधिक बहनों ने कैबिनेट मंत्री नन्दी के हाथों में राखी बांधकर अपना स्नेहिल आशीर्वाद दिया।
इस दौरान कुछ बहनों ने नन्दी को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर नन्दी ने भाई के रूप में आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं में हमेशा साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने बहनों की रक्षा का वादा भी किया। रक्षाबंधन पर बहनों के स्वागत एवं अभिनंदन के लिए परिसर को सजाया गया था। जहां नन्दी ने एक-एक बहन से मुलाकात की। बहनों ने तिलक लगाकर उनके कलाई में राखी बांधी और मिठाई खिलाई। नन्दी ने भी बहनों को उपहार दिया। वहीं हरसंभव मदद का वादा किया।
इस अवसर पर नन्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार में कानून का राज है। जहां गुंडों, माफियाओं के लिए कोई जगह नहीं हैं। आज घर से निकलने के बाद बहन बेटियां खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं। गुंडों, बदमाशों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। ताकि बहनें बिना किसी डर के घर के बाहर निकल सकें। इसके बाद नन्दी पुलिस लाइन पहुंचे। जहां अनूठे अंदाज में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। नंदी ने पुलिस लाइंस सभागार में महिला पुलिस अधिकारियों और सिपाहियों से राखी बंधवाई।

जनपद व देहात में रक्षाबंधन पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

बुलंदशहर
सोमवार को भाई बहन के प्रेम के प्रतीक का पर्व रक्षाबंधन जनपद व आस पास के देहात में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। हिंदू धर्म में रक्षाबंधन के त्योहार का विशेष महत्व होता है। रक्षाबंधन के दिन बहनो ने अपने भाईयों की कलाई में रक्षासूत्र बांधा और आरती उतार कर उनके जीवन में हमेशा सुख और समृद्धि की कामना की । इसके बदले में भाईयो ने बहनों को उपहार दिया और हमेशा रक्षा करने का वादा किया। बाजारो में भारी चहल पहल रही। राखी, मिष्ठान, फल, रेडीमेड गारमेंट्स, सौंदर्य प्रसाधन आदि विक्रेताओं की जमकर बिक्री हुई। भाई बहनों के चलते सड़को पर भीड़ रही।

गोरखपुर जिला जेल में बंद कैदियों की बहनों ने जेल में जाकर भाइयों को बांधी राखी

गोरखपुर
रक्षाबंधन का त्यौहार पूरे भारत में हरसू उल्लास से मनाया जाता है वही उत्तर प्रदेश सरकार ने जहां कल रात 12:00 बजे से आज रात 12:00 बजे तक रोडवेज बसों महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा की सुविधा दी है वही गोरखपुर जिला कारागार में भी कैदियों को अपनी बहनों से मिलने और राखी बधाने की छूट दी गई है आज सुबह 8:00 बजे से ही जेल के दरवाजे उन बहनों के लिए खोल दिए गए जिनमें भाई जेल में बंद सुबह 8:00 बजे से ही लंबी लाइन बहनों की लगी हुई थी जो अभी तक अनवरत चल रही है हजारों की संख्या में बहने जेल में बंद अपने भाई को राखी बांधने के लिए उत्सुक नजर आई कुछ तो भाव तो कुछ के आंखों में आंसू भी नजर आया आखिर पल ही ऐसा है जब भाई की रक्षा के लिए बहन भाई के कलाई पर राखी बांधती है यह हमारे देश की परंपरा सदियों से चली आ रही इसी परंपरा को निर्वहन करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने गोरखपुर जिला जेल को भी इससे अछूता नहीं छोड़ा है जेल में बंद कैदियों की बहनों ने आज जब उनके कलाई पर राखी बांधी तो वह समय भावुकता से भरा हुआ था।

दिवंगत महंत कुलपति तिवारी की पत्नी दिन भर अनशन पर बैंठी

परिवार की परंपरा टूटने से नाराज, एसीपी दशाश्वमेध मनाने पहुंची

वाराणसी
सावन माह के आखिरी सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में झूला श्रृंगार को लेकर मंदिर न्यास के निर्णय को लेकर दिवंगत महंत कुलपति तिवारी की पत्नी मोहिनी देवी अनशन पर बैठ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने महंत परिवार की परंपरा को तोड़ा है। महंत परिवार की महिलाएं कभी पर्दे के बाहर नहीं आई। लेकिन पूर्वजों की परम्परा और पति के जीवन काल के संघर्ष काशी की पहचान है। इसका खण्डित होना काशी के परंपरा का अपमान है। परम्परा टूटने पर अनशन पर बैठी हूँ। उन्होंने कहा कि पूरे दिन टेढ़ीनीम स्थित महंत आवास के बाहर पुलिस का पहरा रहा। इससे नाराज होकर उन्होंने अनशन शुरू किया। उधर ,दिवंगत महंत की पत्नी के अनशन पर बैठते ही परिवार के सदस्य उन्हें समझाते रहे, लेकिन उन्होंने अन्न-जल ग्रहण नहीं किया। इस बात की जानकारी एसीपी दशाश्वमेध प्रज्ञा पाठक को हुई तो वह सायंकाल साढ़े पांच बजे टेढ़ीनीम स्थित महंत आवास पहुंची। उन्होंने भी मोहिनी देवी को समझाने का प्रयास किया। इसपर मोहिनी देवी ने डॉ. कुलपति तिवारी के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजा गया शोक संवेदना वाला पत्र दिखाते हुए एसीपी से कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी मेरे पति को विश्वनाथ मंदिर की परंपराओं का संवाहक बताते हैं और दूसरी तरफ वाराणसी के जिला प्रशासन ने हमारे परिवार की परंपरा को खण्डित कर दिया। यह दोहरी नीति दिखा कर आखिर वर्तमान सरकार क्या साबित करना चाहती है। एसीपी प्रज्ञा पाठक ने समझाते हुए कहा कि आप की बात शासन तक पहुंचाई जाएगी, लेकिन आप अनशन समाप्त कर दें। यह आप की सेहत के लिए ठीक नहीं है। परिवार के सदस्यों ने भी उनसे बार-बार अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया। सभी के बार-बार अनुरोध पर मोहिनी देवी ने फल का रस ग्रहण किया। साथ ही उन्होंने शर्त रख दी की एक सप्ताह के भीतर महंत परिवार की परंपरा की बहाली का पत्र शासन की ओर से उन्हें नहीं मिला तो वह अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ जाएंगी।
गौरतलब हो कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत के आवास से बाबा की पंचबदन रजत चल प्रतिमा बाहर न निकलने पाए इसके लिए प्रशासन ने सुबह से ही वहां पुलिस फोर्स तैनात कर दी। टेढीनीम स्थित महंत आवास पर श्रावण पूर्णिमा की तिथि पर जहां भक्तों की भीड़ जुटती थी। वहां पुलिस फोर्स देखकर दर्शन के लिए आए शिवभक्तों ने भी नाराजगी जताई। पुलिस द्वारा पालकी रोकने की नोटिस दिये जाने के बाद महंत आवास टेढ़ीनीम पर ही महंत वाचस्पति ने सांकेतिक झुलनोत्सव कर परंपरा का निर्वाह किया।

कानपुर: सट्टा एवं जुए का संचालन करने वाले गिरोह का खुलासा, शातिर अपराधी गिरफ्तार

कानपुर
सट्टा एवं जुए का संचालन करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए कर्नलगंज थाने की पुलिस टीम ने सोमवार को बंद पड़े उबैद स्कूल के हाल में छापा मारकर एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया। जबकि मौके से तीन लोग भागने में कामयाब हो गए। पुलिस टीम ने मौके से एक डायरी बरामद किया है।

हाईटेक टेक्नोलॉजी से अभेद्य किला बनेगी अयोध्या नगरी

अयोध्या
त्रेतायुग में दुनिया की सबसे सुरक्षित अयोध्या को एक बार फिर उसके उसी वैभवशाली स्वरूप को प्रदान करने की कवायद जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या को हाईटेक टेक्नोलॉजी से अभेद्य किला में तब्दील किया जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी तादात में रामभक्तों का अयोध्या आना हो रहा है। ऐसे में उनकी सुरक्षा योगी सरकार की पहली प्राथमिकता है। इसके साथ शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था को भी हाईटेक तरीके से मॉनिटर किया जाए, इसके लिए अयोध्या शहर को पूरी तरह से सीसी कैमरों की रेंज में लाया जा रहा है। तीसरी आंख के जरिए सुरक्षा और स्वच्छता दोनों ही व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी। इसके जरिए कंट्रोल कमांड सेंटर में बैठकर न सिर्फ संदिग्धों पर नजर रखी जा सकेगी, बल्कि चौराहों व गली-मोहल्लों में नगर निगम की ओर से मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं की भी मॉनिटरिंग की जा सकेगी। योगी सरकार ने घरों, प्रतिष्ठानों, होटलों और कार्यालयों के बाहर लगे सीसी कैमरे को पहले ही अमानीगंज स्थित कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट कर लिया है। अयोध्या में नव्य, भव्य और दिव्य मंदिर में रामलला के प्रतिष्ठित होने के बाद से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कह चुके हैं कि अयोध्या को ऐसे सजाया और संवारा जाए, जिससे यहां आने वाला हर एक शख्स बार-बार अयोध्या आना चाहे। इसी के तहत नगर निगम ने सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत अयोध्या में बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम की टीम स्थानीय जनता और व्यापारियों से उनके कैमरे को कंट्रोल कमांड सेंटर के मॉनिटरिंग रूम से जुड़वाने की अपील कर रही है।

8.49 करोड़ का प्रोजेक्ट, जुड़ चुके हैं 1324 सीसीटीवी:
सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत नगर में काम का जिम्मा एलाइड डिजिटल सर्विसेज लिमिटेड को दिया गया है। यह 8.49 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है। रोड के किनारे के कैमरे को जलकल स्थित आईटीएमएस कार्यालय के लगे सर्वर से जोड़ दिया गया है। प्रोजेक्ट के तहत 312 लोकेशन चिह्नित किये गये थे। इनमें कुल 1324 सीसी कैमरों को जोड़ा जा चुका हैं। इन सीसी कैमरों की मदद से कंट्रोल रूम से न सिर्फ स्वच्छता पर ध्यान दिया जाएगा बल्कि अन्य व्यवस्थाओं की भी मॉनीटरिंग होगी। इसके लिए कंट्रोल रूम में नगर निगम के कर्मचारी बैठाए जाएंगे। जहां से नगर की सफाई व्यवस्था, पानी लीकेज, स्ट्रीट लाइट के बंद होने की जानकारी संबंधित अनुभाग को दी जाएगी। जानकारी मिलते ही फॉल्ट ठीक करने के लिए नगर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंच जाएंगे।

पुलिस की तीसरी आंख:
सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत लग रहे कैमरे सुरक्षा की दृष्टि से काफी कारगर साबित होंगे। इससे शहर में घटित होने वाली घटनाओं पर नजर रखी जा सकेगी। इस प्रोजेक्ट के जरिए पुलिस को घटनाओं का खुलासा करने में काफी मदद मिलेगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिहाज से भी इस प्रोजेक्ट के काफी कारगर माना जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा में कॉमर्शियल प्लॉट्स की नई स्कीम लेकर आई योगी सरकार

ग्रेटर नोएडा/लखनऊ
उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा में कॉमर्शियल फुटप्रिंट बढ़ाने और उसे उन्नति की नई दिशा प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। सीएम योगी के विजन अनुसार, ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 22डी तथा सेक्टर 22ए में कॉमर्शियल एक्टिविटीज को बढ़ाने के लिए नई स्कीम लाई गई है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा लायी गई यह स्कीम 5 प्रकार के शॉप्स व 6 प्रकार के कमर्शियल प्लॉट्स के आवंटन का मार्ग प्रशस्त करेगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यीडा द्वारा अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम समेत तमाम प्रकार की भू आवंटन स्कीमें लाई गई हैं जिनको काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और माना जा रहा है कि यह स्कीम भी कॉमर्शियल एक्टिविटीज को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी। मौजूदा स्कीम के अंतर्गत 31.22 स्क्वेयर मीटर से लेकर 116.33 स्क्वेयर मीटर सुपर एरिया वाले शॉप्स व 112 स्क्वेयर मीटर से लेकर 140 स्क्वेयर मीटर सुपर एरिया के प्लॉट्स आवंटन के लिए उपलब्ध हैं।

6 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन:
स्कीम के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 22 डी में 5 प्रकार के शॉप्स आवंटन के लिए उपलब्ध होंगे। इनमें एसआर-111 व एसआर-113 आर 31.22 स्क्वेयर मीटर एरिया के हैं और इनका रिजर्व प्राइस पर प्रीमियम 1.19 करोड़ निर्धारित किया गया है। वहीं, एसआर-101 व एसआर-201 का कुल क्षेत्रफल 116.33 स्क्वेयर मीटर एरिया है, जिसका रिजर्व प्राइस पर प्रीमियम क्रमशः 4.44 व 2.06 करोड़ रुपए रखा गया है। इसी प्रकार, एसआर-202 का क्षेत्रफल 105.4 स्क्वेयर मीटर है और इसका रिजर्व प्राइस पर प्रीमियम 1.87 करोड़ निर्धारित किया गया है। दूसरी ओर, सेक्टर 22 ए में कमर्शियल फुटप्रिंट प्लॉट्स की भी अलग-अलग केटेगरीज हैं। इनमें कमर्शियल फुटप्रिंट नंबर-5 व 7 के प्लॉट्स का सुपर एरिया 112 स्क्वेयर मीटर है और रिजर्व प्राइस पर इनका टोटल प्रीमियम 3.05 करोड़ निर्धारित है। वहीं, कॉमर्शियल फुटप्रिंट नंबर-10, 12 व 13 के प्लॉट्स का सुपर एरिया 124 वर्ग मीटर है, जबकि रिजर्व प्राइस पर इनका टोटल प्रीमियम अमाउंट 3.38 करोड़ निर्धारित किया गया है। सेक्टर 22 ए के ही कॉमर्शियल फुटप्रिंट नंबर 22 के प्लॉट का सुपर एरिया 140 वर्ग मीटर है और रिजर्व प्राइस पर इसका टोटल प्रीमियम अमाउंट 3.81 करोड़ निर्धारित है। इन सभी प्लॉट्स व शॉप्स के लिए आवेदनकर्ता 6 सितंबर तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

शानदार कनेक्टिविटी और प्राइम लोकेशन बनाता है स्कीम को खास:
इस स्कीम के बारे में यीडा की आधिकारिक वेबसाइट से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। सभी प्लॉट्स व शॉप्स को ई-ऑक्शन के माध्यम से आवंटित किया जाएगा जिसमें बैंकिंग पार्टनर की भूमिका आईसीआईसीआई बैंक निभा रहा है। ये सभी शॉप्स व प्लॉट्स शानदार कनेक्टिविटी से जुड़े हैं और प्राइम लोकेशन पर बेस्ड हैं। ये प्लॉट्स व शॉप्स नोएडा के जेवर में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट, इंटरनेशनल फिल्म सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क तथा डेडिकेटेड एमएसएमई-ऐपरल व टॉय पार्क की क्लोज प्रॉग्जिमिटी पर स्थित हैं। साथ ही, यमुना एक्सप्रेसवे के पास स्थित होने के कारण ईस्टर्न पेरिफेरेल एक्सप्रेसवे के साथ भी इन्हें कनेक्टिविटी प्राप्त होगी।

बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का पावन पर्व

कासगंज
भारत देश में पवित्र त्योहार में रक्षाबंधन त्यौहार मनाया जाता है जिसमें सनातन धर्म के साथ अन्य धर्म के व्यक्ति भी प्राचीन समय से रक्षा सूत्र बांधते आ रहे हैं/जाति पात का भेद मिटाने वाला यह पावन पर्व है जिसमें बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बनती है दीघार्यु की कामना करती है वही भाई भी अपनी बहन की रक्षा करने को वचनबद्ध होता है जनपद कासगंज में बड़े धूमधाम के साथ भाई बहनों ने यह त्यौहार मनाया कहीं भाई अपनी बहन के यहां पर वा राखी बनवाने आया, कहीं बहन अपने भाई के यहां पर राखी बांधने के लिए आई, जनपद कासगंज में वाहनों के अभाव में यात्रियों को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई, जगह-जगह जाम लगे, हलवाइयों की रही मौज घेवर मावा से युक्त मिठाइयां बेसन से मिठाइयां मार्केट में खूब बिकती नजर आए वहीं दूसरी ओर राखियां की खरीदारी के लिए भी भारी उत्साह नजर आया वही जिला प्रशासन ने काफी सक्रियता के साथ नकली खाद्य पदार्थ की बिक्री पर नकेल कसते नजर आए, वही काफी दुकानदार मिठाई के नाम परमीठा जहर बेचते नजर आए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शहीद विशाल पांडेय की बहनों से राखी बंधवाई

वाराणसी
रक्षाबंधन पर्व पर सोमवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पार्टी के कार्यकताओं के साथ एयरफोर्स के को पायलट शहीद विशाल पांडेय के आवास पर पहुंचे और उनकी बहनों से राखी बंधवाई। विशाल पांडेय 27 फरवरी-2019 को कश्मीर के बड़गाम में एमआइ 17 विमान हादसे में शहीद हो गए थे। शहीद के पिता विजय शंकर पांडेय ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और कार्यकर्ता मेरी बिटिया से राखी बंधवाने आए तो बहुत अच्छा लगा।

संपादक की कलम से

जम्मू कश्मीर : किसका बनेगा मुख्यमंत्री बड़ा सवाल!

1992 की लाल चौक तक की यात्रा को मोदी जी बहुत याद करते हैं और यात्रा के नेता मुरली मनोहर जोशी को भुला देते हैं। जम्मू में उस यात्रा की सफलता का पूरा श्रेय चमनलाल गुप्ता का था। जम्मू के आगे तो एयर फोर्स के विमान से जोशी जी और मोदी जी को भेजा गया था। जहां तिरंगा फहराकर वे कुछ ही देर में वापस जम्मू आ गए थे।

भाजपा को चमनलाल गुप्ता की याद है? जम्मू कश्मीर में चुनाव है और यह पहला विधानसभा चुनाव है जब भाजपा वहां गंभीरता से सरकार बनाने की सोच रही है। प्रधानमंत्री मोदी का हर कदम उसी दिशा में उठता हुआ है। उन्होंने बहुत सारे काम किए। जिन्हें वे पहली बार कहते हैं। जैसे 2014 के बाद देश को सम्मान दिलाने का भी! ऐसे बहुत सारे दावे हैं। मगर एक काम जो वे करना चाहते हैं और जो बहुत मुश्किल है वह है- जम्मू कश्मीर में भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बनाना।

उप मुख्यमंत्री वे बना चुके हैं। दो सरकारों में शामिल रह चुके हैं। प्रधानमंत्री बनते ही पहली बार मुफ्ती मोहम्मद सईद की सरकार में और फिर मुफ्ती की बेटी महबूबा मुफ्ती की सरकार में।

लेकिन कभी भाजपा के वहां मुख्यमंत्री बनने का मौका नहीं आया। इसलिए याद कर रहे हैं भाजपा को यहां तक लाने वाले उसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे चमनलाल गुप्ता को।

आज शायद भाजपा के नए नेताओं में उन्हें जानने वाले भी कम होंगे। मोदी जी के आने के बाद भाजपा में एक नई प्रथा चली है अपने पुराने नेताओं को भूलने की। जो केवल नींव के पत्थर ही नहीं थे बल्कि भाजपा के महल को ऐसा बनाया कि जहां बैठकर मोदी जी शासन कर सकें। मोदी जी शासन तो कर रहे हैं। मगर उन सब को भुलाकर जिन्होंने मोदी जी शासन के लिए महल बनाया।

1992 की लाल चौक तक की यात्रा को मोदी जी बहुत याद करते हैं और यात्रा के नेता मुरली मनोहर जोशी को भुला देते हैं। जम्मू में उस यात्रा की सफलता का पूरा श्रेय चमनलाल गुप्ता का था। जम्मू के आगे तो एयर फोर्स के विमान से जोशी जी और मोदी जी को भेजा गया था। जहां तिरंगा फहराकर वे कुछ ही देर में वापस जम्मू आ गए थे।

कश्मीर में आतंकवाद 1989 से शुरू हुआ। सबसे पहला हमला राजनीतिक नेताओं और कार्यकताओं पर हुआ। राज्य सरकार भंग हो गई। राज्यपाल शासन लागू हो गया। पाकिस्तान चाहता था राजनीतिक शून्य की स्थिति। पोलिटिकल वैक्यूम! आतंकवाद के लिए वह सबसे आदर्श स्थिति होती है। जनता किसी के पास जा नहीं सकती। जगमोहन ने इसे नहीं समझा था। वे प्रशासन के जरिए राज करने की कोशिश करने लगे। जनप्रतिनिधियों का विकल्प ब्यूरोक्रेट नहीं हो सकते।

केन्द्र ने वहां रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) के प्रमुख रहे गिरीशचन्द्र सक्सेना को भेजा। राज्यपाल की जिम्मेदारी संभालने के साथ उन्होंने जो हमें पहला इंटरव्यू दिया उसमें राजनीतिक प्रक्रिया की जरूरत बताई। वह राजनीतिक प्रक्रिया वहां बहुत चुनौतीपूर्ण थी। सबसे बड़े दल के नेता फारूख अब्दुल्ला मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर लंदन चले गए थे। नेशनल कांफ्रेंस नेतृत्वविहीन थी। सबसे से ज्यादा उसके लोग मारे जा रहे थे।

ऐसे में जिन लोगों ने राजनीतिक प्रक्रिया में हिस्सा लिया उनमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गुलाम रसूल कार, सीपीआईएम के युसूफ तारिगामी, भाजपा के चमनलाल गुप्ता और उस समय राजनीति में नहीं आए थे मगर सामाजिक रूप से सक्रिय और लेखक की भूमिका में आतंकवाद के सवालों को उठाते हुए डॉ जितेन्द्र सिंह जो केन्द्र में मंत्री हैं वे और भाजपा के ही वैद्ध विष्णुदत्त का नाम प्रमुख है।

खासतौर से भाजपा का जिक्र आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस चुनाव में मोदी जी भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बनाने की पूरी कोशिश करेंगे। चुनाव पूर्व सारी तैयारियां इसी दिशा में हुई हैं। विधानसभा क्षेत्रों का पुनर्गठन किया गया। परिसीमन में जम्मू की सीटें बढ़ाकर 43 कर दी गईं। पहले यह 37 थीं। 6 सीटें बढ़ा दी गईं। उधर कश्मीर में केवल एक सीट बढ़ाई गई। पहले 46 थीं जो अब 47 कर दी गईं।

राज्य का विभाजन कर दिया गया।

लद्दाख को अलग केन्द्र शासित राज्य का दर्जा दे दिया गया। जम्मू कश्मीर को भी। राज्यपाल का पद घटाकर उप राज्यपाल कर दिया। मगर उसकी शक्तियां बढ़ा दी गईं। 370 खत्म करके एक भावनात्मक माहौल बनाने की कोशिश हुई। मगर उसका फायदा शेष भारत में तो दिखा नहीं। 370 हटाने से पहले भाजपा की लोकसभा में 303 सीटें थीं। जो 370 हटाने के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव 2024 में घटकर 240 रह गईं। बहुमत की संख्या 272 से कम।

अब 370 हटाने के बाद जम्मू कश्मीर में पहला विधानसभा चुनाव है। भाजपा इसका फायदा जम्मू में देखना चाह रही थी। मगर जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी घटनाओं के बढ़ने, सेना के कई अफसरों के शहीद होने से मैसेज यह गया कि जिस तरह नोटबंदी से आतंकवाद खत्म करने का दावा किया गया था वैसे ही 370 हटाने से आतंकवाद खत्म करने का दावा भी खोखला निकला। जम्मू में बाकी समस्याएं भी वैसी की वैसी ही रहीं। उल्टे बेरोजगारी की और बढ़ गई। जम्मू से युवा बड़ी तादाद में सेना में जाते थे। मगर अग्निवीर ने उनके रोजगार का यह साधन भी छीन लिया।

संस्कृतोत्सव

डॉ. करुणा लक्ष्मी. के. एस.

भाषा एक संचार साधन के रूप में जन्म लेकर बढ़ती आयी है। हर एक भाषा का हजारों वर्ष का इतिहास देखने को मिलता है। दुनिया में हजारों भाषाएँ हैं, उनमें कई भाषाओं के लिए लिपि भी नहीं है, ऐसी भाषाएँ केवल संभाषण के रूप में चलती आयी हैं। संस्कृत अत्यंत प्राचीन भाषा मानी जाती है। यह भाषा देव के मुख से निकली देवभाषा, गीर्वाण भाषा कही जाती है। उसकी प्राचीनता के संबंध में काल निश्चित करना संभव न होने पर भी प्राप्त जानकारी के अनुसार पाश्चात्यों ने ई.पू. 1500 तक इसकी प्राचीनता का अंदाजा लगाया है। यह भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। यह मात्र प्राचीन ही नहीं, समृद्ध और वैज्ञानिक भी है और कई भाषाओं के लिए मातृस्वरूप है। हिंदी भाषा तथा कन्नड़, तेलुगु, मलयालम आदि क्षेत्रीय भाषाओं को समग्र रूप से जानने के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत पूरक है। अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के लिए उस भौगोलिक प्रदेश की पृष्ठभूमि रहती है। लेकिन संस्कृत ऐसी भौगोलिक सीमाओं से परे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाषा भी है। उसमें निहित वेद, दर्शन, रामायण, महाभारत, शाकुंतल आदि ग्रंथ वैश्विक स्तर पर पूजनीय माने जाते हैं। इतना ही नहीं, संस्कृत भाषा से अनूदित साहित्य से क्षेत्रीय भाषाएँ समृद्ध हुई हैं।संस्कृत भाषा और साहित्य ने विश्व को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्कृत भाषा व साहित्य में कला और विज्ञान से संबंधित विशिष्ट बातों का उल्लेख है। सरल शब्दों में कला प्रतिभाप्रधान है। प्राचीन भारत में हर एक ज्ञान शाखा को और कला को ब्रह्मज्ञान पाने का पूरक मार्ग माना जाता था। कई संस्कृत ग्रंथों में कलाओं की संख्या 64 होने से और रामायण, महाभारत, पुराणादि ग्रंथ, वात्सायन कामसूत्र में भी 64 कलाओं का उल्लेख है। कंसवध के बाद सांदीपनी महर्षि के पास गुरुकुल में विद्या सीखने जाने पर श्री कृष्ण ने केवल 64 दिनों में 64 कलाएँ, 14 विद्याएँ सीखीं, ऐसा उल्लेख है। ऐसे ही काव्य, विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, न्यायालय के निर्णय, आयुर्वेद और प्रस्तुत समय में प्रसिद्ध संस्थाओं के ध्येयवाक्यों को भी संस्कृत में देख सकते हैं। संस्कृत और काव्य : कवि की कृति को ह्यकाव्यह्न कहते हैं। लेकिन लिखने वाला हर कोई कवि नहीं कहलाता। लिखा हुआ सब कुछ काव्य नहीं हो सकता। कवियों में पुराने जन्मों और अब के जन्म के उत्तम संस्कार, श्रेष्ठ गुरुओं के पास अध्ययन, उदात्त लोगों का निरंतर मार्गदर्शन, प्रवास, हर दिन पठन, चिंतन आदि होने चाहिए। तब जाकर वह कवि, महाकवि बन सकता है। वाल्मीकी जी दुनिया के प्रथम कवि माने जाते हैं। उनके द्वारा संसार को समर्पित रामायण ह्यआदिकाव्यह्न नाम से प्रसिद्ध है। सांकेतिक रूप से पाँच और कृतियाँ संस्कृत में महाकाव्य के रूप में प्रसिद्ध हैं। वे हैं- महाकवि कालिदास विरचित रघुवंश और कुमारसंभव, भारवी द्वारा रचित किराताजुर्नीय, माघ का शिशुपालवध और श्री हर्ष विरचित नैषधीयचरित। विश्वप्रसिद्ध पंचतंत्र के रचयिता विष्णुशर्मा, समकालीन कवि नागपुर के डा. श्रीधरभास्कर वर्णेकर द्वारा विरचित शिवराज्योदयम, ज्ञानपीठ पुरस्कृत संस्कृत महाकवि डा. सत्यव्रतशास्त्री विरचित रामकीर्तिमहाकाव्यम, बृहत्तर भारतम ऐसे कई महाकाव्य उल्लेखयोग्य हैं।

राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत मैसूर के विद्वान डा. एच,वी.नागराजराव जी भारत के सुप्रसिद्ध संस्कृत महाकवि हैं, जिनके द्वारा रचित दसों शतक प्रसिद्ध हैं।

डूबती दिल्ली, मरते लोग, दोषी कौन ?

आर.के. सिन्हा

राजधानी दिल्ली में इस बार मानसून के मौसम में हो रही भारी बारिश से हाहाकर मचा हुआ है। बारिश के पानी के कारण हो रहे जलभराव में लोग डूब रहे हैं या फिर पानी में खुली बिजली तारों से करंट फैलने से लोगों की जान जा रही है। ये हादसे दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार की काहिली और नकारापन की चीख-चीख कर पुष्टि कर रहे हैं। यूं तो हरेक बारिश के मौसम में दिल्ली में जलभराव के कारण लगने वाले लंबे जाम के कारण लाखों लोगों की जिंदगी दूभर हो ही जाती है। पर इस बार बारिश के कारण यहां वहां जमा पानी में लोगों की डूबने के कारण अनेकों जानें भी जा रही हैं। साफ है कि जिन सरकारी एजेंसियों, अफसरों और कर्मियों पर देश की राजधानी को ठीक-ठाक रखने की जिम्मेदारी है, वह अपने दायित्वों को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं। इन सरकारी महकमों में व्यापक करप्शन भी इस कर्तव्यहीनता का मुख्य कारण है।

कुछ दिन पहले संसद भवन से करीब पांच किलोमीटर दूर ओल्ड राजेन्द्र नगर में तीन नौजवानों की तब डूब कर मौत हो गई जब वे बेसमेंट में बैठकर पढ़ रहे थे और वहां पानी भर गया था। दिल्ली की मेयर शैली आनंद के क्षेत्र से ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक किलोमीटर भी नहीं है। इसके बावजूद वहां इतना बड़ा हादसा हुआ। आम आदमी पार्टी के सांसद ओल्ड राजेन्द्र नगर से दो मिनट की दूरी पर स्थित न्यू राजेन्द्र नगर में रहते हैं। पर उनकी पार्टी ने उनकी भी कोई क्लास नहीं ली। हादसे के लिए मात्र दो-तीन निगम के निम्न वर्गीय कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया। सवाल यह है कि इस हादसे के लिए दिल्ली की मेयर ने अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया? हाल ही में बेल मिलने के बाद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी अपनी दिल्ली सरकार के कामकाज की उपलब्धियां गिनवा रहे हैं। पर वे यहां जलभराव के कारण हुई मौतों पर चुप हैं। एक उम्मीद पैदा हुई थी कि ओल्ड राजेन्द्र नगर की भयानक घटना के बाद यहां नगर निगम कायदे से काम करने लगेगा। उस घटना से दिल्ली खासी व्यथित थी। जनता में गुस्सा था। पर नगर निगम का चाल-चरित्र-चेहरा नहीं बदला।

राजधानी में लोगों की जाने जाती रहीं, क्योंकि तेज बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरना जारी रहा और सड़कों पर पैदल चलने वालों की जान पर बन आई। दो बच्चों की करंट लगने और डूबने से मौत हो गई। दिल्ली में इस मानसून में अब तक मरने वालों की अबतक ज्ञात कुल संख्या 33 हो गई है। इतने लोगों की मौत के बावजूद यहां पर सब कुछ सामान्य रफ्तार से चलना साबित करता है कि समाज अब पूरी तरह संवेदनहीन हो चुका है। वह कभी झकभार ही अपनी तीखी प्रतिक्रिया देता है।

देखिए, जलवायु संकट मानसून में अप्रत्याशित पैटर्न पैदा कर रहा है, जिससे छोटे, लेकिन बहुत भारी बारिश के झोंके अब सामान्य से हो गए हैं। इसके लिए ठोस योजना की आवश्यकता है, न कि बाद में किए जाने वाले उपायों की। पर हमारे यहां बदले हुए हालात के अनुसार नहीं चला जाता है। सब काम चालू तरीके से होता है। जाहिर है, इसके बहुत दूरगामी परिणाम झेलने पड़ते हैं। हम अपनी याददाश्त को अगर टटोलें तो पाएंगे कि पर्यावरण में सुधी जनों ने चेतावनी इसलिए ही बहुत पहले ही दी थी। यकीन मानिए हमारे बहुत सारे सरकरी

विभागों को लकवा मार गया है। वहां कोई आगे बढ़कर स्वेच्छा से काम करने के लिए तैयार ही नहीं है। जाहिर है, इस मानसिकता के कारण ही बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं। यह सब होने के बाद भी सरकारी अफसरों और दिल्ली सरकार के मंत्री किसी भी प्रकार की जवाबदेही के लिए तैयार नहीं हैं। क्यों नहीं उनके खिलाफ सख्त एक्शन होता जिनकी वजह से लोग मारे जा रहे हैं या दिल्ली पानी-पानी हो रही है।

अजीब सी स्थिति है कि एक तरफ दिल्ली बारिश के कारण डूब जाती है, दूसरी ओर दिल्ली वालों को पीने का साफ पानी तक नसीब नहीं होता। राजधानी में पानी से जुड़े सारे मामलों को दिल्ली जल बोर्ड देखता है। दिल्ली जल बोर्ड का सर्वाधिक हाल बेहाल है। दिल्ली की आप सरकार के मंत्री और नेता रोज केन्द्र सरकार पर आरोपों की बौछार करने का कोई भी अवसर जाने नहीं देते। वे चिर असंतुष्ट प्राणी हैं। उन्हें सबसे शिकायतें हैं। वह कभी खुद भी अपने गिरेबान में झांक तो लें। वह खुद कब इस सवाल का जवाब देंगे कि वह दिल्ली को पेयजल के संकट से फलां-फलां तारीख तक उबार देंगे ? दिल्ली का मतलब सिर्फ हरे-भरे पेड़ों से लबरेज नई दिल्ली का लुटियन क्षेत्र ही नहीं है। राजधानी का मतलब दक्षिण दिल्ली, उत्तर दिल्ली, पश्चिम दिल्ली या यमुना पार की सभ्रांत आवासीय कॉलोनियां भी नहीं है। दिल्ली के लाखों नागरिक उन अनधिकृत कॉलोनियों, घनी बस्तियों, झुग्गियों में भी जीवन यापन करने के लिए अभिशप्त हैं,जहां पर पीने का पानी मयस्सर नहीं है। जरा सोचिए कि किन हालातों में भीषण गर्मी के मौसम में लोग रहते होंगे। राजधानी के लाखों नागरिकों के घरों में पीने का पानी नहीं आता। यह अभागे हर रोज निजी जल आपूर्तिकताओं अपने दिन भर के से उपयोग के लिये पानी खरीदते हैं। दस लाख की आबादी वाले संगम विहार में दिल्ली जल निगम से पानी की सप्लाई नहीं होती। यह हाल है दिल्ली का।

जल संकट से जूझ रहे दिल्ली में लगभग आधे जल निकायों का अतिक्रमण और अन्य कारणों की वजह से नष्ट हो जाना प्रशासनिक विफलता का संकेत है। दुनिया के सबसे अधिक जल संकट वाले शहरों में से एक, दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर सूचीबद्ध अपने लगभग आधे जल स्रोतों को खो दिया है। जिस समय देश आजाद हुआ था, उस समय दिल्ली के 362 गांवों में 1012 तालाब थे। यह सरकारी आंकड़ा है। एक सर्वे में पता चला है कि दिल्ली में दो हजार से अधिक तालाब और बावड़ियाँ होती थी। आबादी बढ़ने और दिल्ली के विकास के साथ अधिकतर तालाब खत्म कर दिए गए। कई तालाबों पर कॉलोनियां बस गई। जो तालाब बचे हैं, उनमें से आधे से अधिक लगभग सूख चुके हैं। इन तालाबों को फिर से जीवित करना होगा। जानकार मानते हैं कि राजधानी में 500 से अधिक तालाब ऐसे हैं जिन्हें बारिश के पानी से पुनर्जीवित किया जा सकता है और बारिश की पानी से दिल्ली को जलमग्न होने से बचाया जा सकता है। बहुत साल पहले पानी-तालाब पर जीवन खपा देने वाले अनुपम मिश्र ने सुझाया था कि यमुना का भी पुनर्जीवन संभव है। अगर यमुना के किनारे वजीराबाद से ओखला के बीच बड़े तालाबों की एक श्रृंखला बनाई जाये।

यदि दिल्ली में हमने जल का सही तरह से संरक्षण करना नहीं सीखा तो यहां पर पानी को लेकर भविष्य के दिनों में भारी खून-खराबा होगा। अभी भी बहुत सी अनधिकृत बस्तियों में पानी को लेकर सुबह रोज झगड़े होते हैं। कत्ल तक हो चुके हैं। जल के स्रोत सीमित हैं। नये स्रोत हैं नहीं, ऐसे में जल स्रोतों को संरक्षित रखकर एवं जल को बचाकर ही हम जल संकट का सामना कर सकते हैं। इसके लिये हमें जल के उपयोग में मितव्ययी बनना पड़ेगा। जल प्रबंधन को बेहतर करना होगा। यदि वर्षाजल का समुचित संग्रह हो सके और जल के प्रत्येक बूंद को अनमोल मानकर उसका संरक्षण किया जाये तो जल संकट का समाधान संभव है। राजधानी में रोज लाखों कारों और दूसरे वाहनों की धुलाई पर बहुत पानी बर्बाद हो जाता है। इस तरफ कोई ध्यान नहीं देता कि इस लिहाज से पानी की बबार्दी कैसे रोकी जाए। दिल्ली को अब जल संरक्षण के मसले पर सेंसटिव होना होगा। अब पानी के इस्तेमाल में हमें मितव्ययी बनना होगा। छोटे-छोटे उपाय कर जल की बड़ी बचत की जा सकती है। मसलन हम दैनिक जीवन में पानी की बर्बादी कतई न करें। समाज को खुद ही अपने मसले हल करने होंगे। यहां की दिल्ली सरकार से अब कोई उम्मीद करना बेकार है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

बांग्लादेश अभी भी अस्थिर, कोई स्पष्ट राजनीतिक दिशा नहीं दिख रही

- नित्य चक्रवर्ती

अब बांग्लादेशी राजनीति में तीसरी ताकत का क्या? क्या वे छात्र जो राजनीतिक दलों को बाहर रखने की बात कर रहे हैं, देश में स्थापित राजनीतिक दलों के बाहर प्रगतिशील, गैर-सांप्रदायिक ताकतों का तीसरा मोर्चा बनाने में नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं? यह एक बड़ा सवाल है। बांग्लादेश में वामपंथी दलों की संख्या बहुत अधिक है। वे सभी हाशिये की पार्टियां हैं। गुटबाजी में उलझी हैं।

5 अगस्त को बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाये जाने, जिसके लिए छात्रों और अन्य विपक्षी दलों द्वारा उनके नेतृत्व वाली अवामीलीग सरकार के 15 साल के शासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह किया, के बाद उनके पतन के कारणों और उनके सत्ता से हटने में योगदान देने वाले संभावित कारकों के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है। अब हम उन विभिन्न घटनाओं पर नजर डाल सकते हैं जो अंतरिम सरकार द्वारा आम चुनाव आयोजित किये जाने तक उभर सकती हैं।

आइए,नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली 17 सदस्यीय अंतरिम सरकार के ताजा बयानों और कार्रवाइयों तथा 5 अगस्त के बाद से अब तक हुई कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं से कुछ संकेतों का आकलन करें। सबसे पहले, बीएनपी सुप्रीमो खालिदा जिया को रिहा कर दिया गया है तथा उन्होंने अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ बीएनपी के पुनर्गठन के बारे में चर्चा शुरू कर दी है, ताकि अंतरिम सरकार को प्रभावित करने में वह अग्रणी भूमिका निभा सके। उन्होंने अपने समर्थकों से सत्ता हासिल करने के लिए आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा है। हालांकि बीएनपी आधिकारिक तौर पर अंतरिम सरकार में शामिल नहीं है, लेकिन बीएनपी नेतृत्व ने अंतरिम सरकार के कुछ सदस्यों के साथ मौजूदा स्थिति में आगे बढ़ने के बारे में चर्चा की है।

दूसरा, जिलों में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के बारे में अंतरिम सरकार द्वारा दिये गये सभी आश्वासनों के बावजूद, स्थिति खराब है। पुलिस प्रशासन हतोत्साहित हो गया है। जिलों में, बीएनपी और जमात मौजूदा अवामीलीग विरोधी भावनाओं का फायदा उठा रहे हैं तथा कानून-व्यवस्था एजंसियों द्वारा किसी भी बाधा के बिना अवामीलीग कार्यकताओं को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में कट्टरपंथी तत्व कुछ स्थानों पर हिंदुओं पर हमला कर रहे हैं, लेकिन अल्पसंख्यक संगठनों के साथ-साथ छात्रों और नागरिक समाज के उदारवादी वर्ग द्वारा संगठित प्रतिरोध के कारण इसकी तीव्रता का मुकाबला किया गया है। अंतरिम सरकार को पुलिस प्रशासन में तुरंत मनोबल भरना होगा ताकि वे निष्पक्ष रूप से कार्य करें और उन सांप्रदायिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस रखें जो अब अंतरिम सरकार के करीब होने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्ववर्ती हसीना सरकार की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी को भारतविरोधी विचारों वाली पार्टी के रूप में देखा जाता है, लेकिन ऐसा इसलिए था क्योंकि उनकी मान्यता के अनुसार अवामीलीग भारत से जुड़ी हुई है और शेख हसीना भारत सरकार के हित में काम करती हैं। बीएनपी में कई सांप्रदायिक तत्व हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह एक सही पार्टी है जो संसदीय लोकतंत्र में एक खिलाड़ी के रूप में काम कर सकती है। बीएनपी एक कट्टरपंथी पार्टी नहीं है। भारत दृष्टिकोण में मतभेदों के बावजूद इस पार्टी से तालमेल बिठा सकता है। बांग्लादेश की राजनीति के लिए मुख्य समस्या हसीना सरकार के पतन और अचानक अवामीलीग विरोधी संगठनों के पास राजनीतिक सत्ता जाने के परिणामस्वरूप जमात-ए-इस्लामी का मजबूत होना है। जमात का चुनावी समर्थन आधार छोटा है, यह अनुमानतः मात्र 4 प्रतिशत है, लेकिन यह कैडर-आधारित और वैचारिक रूप से रूढ़िवादी है। मुस्लिम देशों, मुख्यतः सऊदी अरब के कई धार्मिक संस्थानों से प्राप्त धन के कारण जमात के पास बड़ी वित्तीय ताकत है। अवामीलीग के शासन के दौरान हसीना ने धन के कुछ मार्गों को बंद कर दिया था। अब उन्हें फिर से खोल दिया जायेगा और जमात के पास फिर से धन की भरमार हो जायेगी। अगर अंतरिम सरकार वास्तव में बांग्लादेश की 1750 लाख आबादी में से 130 लाख अल्पसंख्यकों को सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहती है, तो जमात को नियंत्रित करना उसकी प्रमुख गतिविधियों में से एक होना चाहिए। अब अवामीलीग के बारे में क्या? अवामीलीग अब बदनाम हो चुकी है।

महिला सुरक्षा और सरकार की जवाबदेही

कोलकाता के सरकारी आर जी कर अस्पताल में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और फिर हत्या के जघन्य अपराध पर इस समय पूरा देश आक्रोशित और आंदोलित दिखाई दे रहा है। 9 अगस्त को घटी इस घटना से 16 दिसंबर 2012 के निर्भया प्रकरण की भयावह याद लोगों को आ रही है। हालांकि ऐसा नहीं है कि बलात्कार का एक घिनौना अपराध 2012 को हुआ और उसके बाद सीधे 2024 को हुआ हो, बल्कि इस बीच इस तरह के अपराध की एक लंबी श्रृंखला बन गई, जिसे सियासत ने टूटने ही नहीं दिया। यह सोचकर ही वितृष्णा होती है कि हम कितने गिरे हुए समाज में तब्दील हो चुके हैं, जिसमें एक स्त्री पर हुए भयानकतम अत्याचार को सत्ता हासिल करने का माध्यम बनाने में कोई संकोच नहीं होता। महाभारत में कुरुसभा में द्रौपदी के चीरहरण का प्रसंग अभी और न जाने कितने युगों तक चलने वाला है। क्योंकि तब जिन लोगों से उम्मीद थी कि वे राजधर्म और नैतिकता के धर्म का पालन करके एक स्त्री का साथ देंगे, उन लोगों ने आंखें मूंद ली थीं और अब भी वही रवैया नजर आ रहा है।

कोलकाता की घटना के बाद इसी तरह की घटनाएं उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार से भी सामने आईं। जहां एक दलित को, एक नाबालिग को शिकार बनाया गया। लेकिन भाजपा शासित राज्यों में घटी इन घटनाओं पर समाज में हलचल नहीं देखी जा रही है। फिलहाल सबका ध्यान प.बंगाल पर टिका है। वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग से लेकर राज्य में राष्ट्रपति शासन तक लगाने की मांग हो चुकी है। ममता बनर्जी को महिला होने का वास्ता भी दिया जा रहा है। उनके साथ टीएमसी की मुखर सांसद महुआ मोईत्रा पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस पर उंगलियां उठाई जा रही हैं और भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा बड़े हक से पूछ रहे हैं कि राहुल और प्रियंका गांधी कोलकाता कब जाएंगे।

राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ही हैं और प्रियंका गांधी तो कांग्रेस की एक सामान्य पदाधिकारी से अधिक कुछ नहीं हैं। प.बंगाल में कांग्रेस की सत्ता भी नहीं है, न ही केंद्र में कांग्रेस का शासन है, इसलिए इस मामले में कांग्रेस से सवाल किया जाना, राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है। कायदे से इस वक्त दो ही लोगों से जवाब मांगे जा सकते हैं, एक हैं ममता बनर्जी और दूसरे हैं नरेन्द्र मोदी। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री हैं, तो उन्हें अपने राज्य के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी, मगर इसमें जो लोग महिला वाला कोण सामने कर रहे हैं, वो संकुचित मानसिकता को ही दिखाता है। एक महिला के साथ होने वाले अपराध के दर्द को एक महिला ही क्यों समझे, एक पुरुष क्यों न समझे, यह सवाल समाज को करना चाहिए। इस मामले में महुआ मोईत्रा पर उंगलियां उठाने का भी कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वे एक सांसद ही हैं, न कि प.बंगाल सरकार का हिस्सा। और अगर उनसे जवाब मांगे जा रहे हैं, तो फिर यही बर्ताव सारे सांसदों के साथ किया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले के अपने भाषण में महिला अपराधों को रोकने और अपराधियों को दंडित करने की बात जरूर कही, लेकिन उनका रवैया भी अब तक चयनित ही रहा है। अगर प.बंगाल में पहले संदेशखाली और अब कोलकाता बलात्कार कांड पर वे सख्त फैसलों के पक्ष में खड़े दिखते हैं, तो उन्हें मणिपुर, हाथरस, कठुआ, उन्नाव और उत्तराखंड में अंकिता भंडारी जैसे मामलों पर भी यही रुख अपनाना चाहिए था। इस पूरे प्रकरण में पीड़िता को इंसाफ दिलाने का सवाल सबसे अहम होना चाहिए था, मगर वही अब प्राथमिकता सूची में सबसे आखिरी में दिख रहा है। सियासत के कारण इसमें भ्रामक तथ्यों को फैलाने का जोर बढ़ गया है। मामला फिलहाल सीबीआई के सुपुर्द है, तो उसे उसका काम करने देना चाहिए। लेकिन नियमों, कानूनों का उल्लंघन करते हुए कहीं पीड़िता की पहचान उजागर की जा रही है, कहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट का ब्यौरा दिया जा रहा है और उसमें भी सच-झूठ का घालमेल है। इस मामले में प.बंगाल पुलिस ने अब भाजपा के दो और टीएमसी के एक नेता को नोटिस भी भेजा है। लेकिन इस नोटिस के बावजूद गलत सूचनाएं या अफवाहें फैला दी गई हैं और अब सोशल मीडिया के जरिए उन्हें देश भर में प्रसारित किया जा चुका है। इससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है।

महिला सुरक्षा को लेकर समाज सतर्क रहे और सरकार से जवाबदेही चाहे, इसमें कुछ गलत नहीं है। लेकिन यह सतर्कता और उद्वेलन सत्ता हासिल करने के षड्यंत्र की तरह इस्तेमाल हों, तो फिर समाज को सोचना चाहिए कि आखिर वह क्यों अपनी भावनाओं का इस तरह दोहन होने दे रहा है। अभी निर्भया प्रकरण को लेकर फिर से कांग्रेस पर उंगलियां उठाई जा रही हैं, जबकि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने निर्भया के इलाज से लेकर दोषियों को पकड़ने तक सबमें तत्परता दिखाई। हालांकि तब बीजेपी लोगों के आक्रोश को मनमोहन सिंह और शीला दीक्षित की सरकारों के खिलाफ इस्तेमाल करने में सफल हो गई थी। अब एक बार फिर वही खेल खेला जा रहा है। जबकि अब सरकार से लोगों को पूछना चाहिए कि इस देश में महिलाएं घरों से लेकर कार्यस्थलों तक हर जगह कब सुरक्षित महसूस करेंगी।

पेशेवर एवं आदतन किस्म के अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें : योगी

मुख्यमंत्री ने माफियाओं एवं उनके गुर्गों की अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर कार्यवाही पर दिया जोर

वाराणसी/ब्यूरो। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेशेवर एवं आदतन किस्म के अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए पुलिस विभाग को सख्त निर्देश दिया है। शहर में कानून व्यवस्था मजबूत बनाने के लिए नियमित पुलिस पेट्रोलिंग, माफियाओं एवं उनके गुर्गों की अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर सख्ती से कार्यवाही करने को कहा।

शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर शहर में आए मुख्यमंत्री सर्किट हाउस में कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हर हालत में सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि अपराधियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही किया जाये। मुख्यमंत्री ने बिट, चौकी, थानावार गुंडों की सूची तैयार कर उनके विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निमार्णाधीन विकास परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चला कर मानक के अनुरूप गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए। उन्होंने निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति भी जानी।

जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने शहर में निमार्णाधीन परियोजनाओं तथा पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कानून व्यवस्था की जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि रिंग रोड फेज-2 के कार्य, जिसको एनएचएआई बनवा रहा, गंगा में जल स्तर वृद्धि के चलते पुल एवं संपर्क मार्ग के एक लेन का कार्य, अब फरवरी, 2025 तक पूर्ण हो

जायेगा। मोहनसराय से कैंट तक 6 लेन सड़क चौड़ीकरण के कार्यों में लगातार देरी पर मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अफसरों से कहा कि अतिरिक्त प्रयास करते परियोजना को पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने आरओवी, कज्जाकपुरा के निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर अभियान चला कर तेजी से कार्य को पूर्ण कराए जाने के साथ ही रेलवे उपरगामी सेतु को मानक के अनुरूप बनाए जाने का निर्देश दिया।

पांडेयपुर में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज, विधानसभा पिंडरा में होम्योपैथिक कॉलेज के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने के लिए अफसरों को खास तौर पर हिदायत दी।

मुख्यमंत्री ने विकास प्राधिकरण तथा नगर निगम में वर्षों से विभिन्न पटल तथा फील्ड में जमे कर्मियों को चिन्हित कर उन्हें अविलम्ब हटाने को कहा। उन्हें अन्य जगह स्थानांतरित करने तथा नक्शा प्रक्रिया सरलीकरण के लिए जोर दिया। पुलिस भर्ती परीक्षा को पूरी पारदर्शी एवं सूचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराए जाने की हिदायत दी।

मुख्यमंत्री ने विकास प्राधिकरण, नगर निगम एवं ग्राम पंचायतों में तकनीक के प्रयोग को प्रोत्साहित किया। अफसरों को जन सुनवाई करने, जनता से संवाद बनाने व उनकी समस्याओं को नोट कर अविलम्ब समाधान पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी के साथ ही काशी को विकास का भी माडल बनाए।

समीक्षा बैठक में इनकी रही मौजूदगी

समीक्षा बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल राजभर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु', जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, महापौर अशोक तिवारी, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, एमएलसी धर्मेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक डॉ अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, विधायक टी. राम, कमिश्नर कौशल राज शर्मा, एमडी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. शंभू कुमार, वीसी वीडीए पुलकित गर्ग, नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल आदि की मौजूदगी रही।

नवनियुक्त सचिन कुमार को थाना प्रभारी सिहानी गेट बनाए जाने पर मोहित सूद वाल्मीकि ने किया अभिनंदन

गाजियाबाद। राष्ट्रीय मानव अधिकार भ्रष्टाचार निवारण भारत उत्तर प्रदेश के युवा प्रदेश अध्यक्ष व डॉक्टर बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव कमेटी वाल्मीकि समाज महानगर गाजियाबाद के महानगर अध्यक्ष व नगर निगम वाहन चालक संघ के मिडिया प्रभारी मोहित सूद वाल्मीकि व संगठन के पदाधिकारी ने नवनियुक्त थाना प्रभारी सिहानी गेट श्री सचिन कुमार जी का उनके कार्यालय पहुंचकर उनको थाना प्रभारी सिहानी गेट बनाए जाने पर फूलो बुके और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत और सम्मान किया जिसमें क्षेत्र के बुजुर्ग लोगों ने भी अपना आशीर्वाद प्रेषित किया जिसमें थाना प्रभारी जी ने सभी का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र में शांति व्यवस्था व सुरक्षा को मध्य नजर रखते हुए अपना आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मोहित सूद वाल्मीकि युवा प्रदेश अध्यक्ष व मिडिया प्रभारी नगर निगम वाहन चालक संघ अनिल मकवाना वरिष्ठ समाजसेवी, बीरू
प्रदेश सयुंक्त मंत्री,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ
लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश मोनू सूद, महानगर अध्यक्ष राष्ट्रीय मानव अधिकार तेज राम ओमी, हरेंद्र आदि उपस्थित रहे ।

युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं अजय राय : आसिफ सैफी

गाजियाबाद। अंजय राय का एक वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर आज जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष आसिफ सैफी के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने ब्लड डोनेट किया। और बस अड्डे चौराहे पर फल वितरण किए।

आसिफ सैफी ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का एक वर्ष का कार्यकाल बेहद सफल रहा है।अजय राय के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन विषेष रूप से कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में उम्मीद से कही अधिक फलता प्राप्त की। अजय राय के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में बड़ी शिकस्त दी है।

आसिफ सैफी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं और युवा उनके क्रांतिकारी नेतृत्व से प्रभावित होकर युवा कांग्रेस से जुड़ रहे हैं। ब्लड डोनेट कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष वीनित त्यागी, अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला सलीम अहमद (सैफी) राजीव गांधी विचार मंच के प्रदेश महासचिव डॉ बाबू सिंह आर्य, एन एस यू आइ के प्रदेश महासचिव संदीप कुशवाह,युवा कांग्रेस ज़िला महासचिव चिराग कश्यप, कृष्ण कुमार,सोनू । पूर्व महासचिव विक्रांत चौधरी, एससी-एसटी महानगर अध्यक्ष आशीष प्रेमी आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को किया नमन

गाजियाबाद। गिरधरपुर छपरौला स्थित गगन एनक्लेव 2 कॉलोनी में स्वतंत्रता दिवस भव्यता के साथ पालन किया गया। कॉलोनी निवासी एवं अखिल भारतीय चित्रगुप्त कायस्थ महासभा के स्थानीय इकाई के कोषाध्यक्ष युवा नेता रितेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में पूर्व सैनिक कर्मी मनमोहन सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

कार्यक्रम कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रगान गया और शहीदों को याद करते हुए पुणे श्रद्धांजलि अर्पित की । इस अवसर पर मनमोहन सिंह ने कहा कि यह आयोजन हमारे वीर शहीदों को याद करने के लिए तथा उनके परिवार जनों को सम्मान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस मौके पर नरेश बिश्नोई, अरुण श्रीवास्तव, परमानंद दुबे, चंदन यादव, पिंटू यादव, शंकर झा, शुभम बिश्नोई, रविकांत ओझा, सौरभ परिहार, सौरभ गुप्ता, विश्व प्रताप सिंह, विनय राणा, गुडलेश श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, अभिनव श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, ऋषभ श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

कोलकाता रेप केस पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर लगाया राजनीति करने का आरोप

आजमगढ़/ब्यूरो। जिले के लालगंज कस्बे में एक निजी कार्यक्रम में शनिवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव पहुंचे । इस दौरान पार्टी के प्रवक्ता अभिषेक राय के अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान कोलकाता में डॉक्टर के साथ कथित रेप व हत्या पर जहाँ ममता बनर्जी सरकार का बचाव किया तो वहीं भाजपा पर जमकर हमला बोलते हुए राजनीति करने का आरोप लगाया। वहीं 69 हजार शिक्षक भर्ती में कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि अब छात्रों को न्याय मिला है।

लालगंज कस्बे में अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कोलकाता में डॉक्टर के साथ कथित रेप व हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बचाव करते हुए कहा कि वह खुद महिला हैं। महिला का दुख दर्द समझती हैं। सीबीआई या जो भी संस्था से जांच करवाने का मामला था, उन्होंने करवाया है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा पर हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी इस मामले में राजनीति कर रही है। जो उसको नहीं करना चाहिए। इस घटना को लेकर डॉक्टर आंदोलन कर रहे हैं लेकिन भाजपा राजनीति कर रही है। वहीं उन्होंने मामले को यूपी में हुई घटनाओं से जोड़ते हुए कहा कि सोनभद्र में बेटी की साथ जो हुआ, लखनऊ में दलित महिला ने सीएम कार्यालय में आत्मदाह कर लिया। इस पर बीजेपी के लोग नहीं बोल रहे हैं। पत्रकार अगर आवाज उठाता है तो उस पर मुकदमा दर्ज कर दिया जाता है। जेल भेज दिया जाता है। वहीं दूसरी तरफ 69000 शिक्षकों की भर्ती के मामले में कोर्ट के फैसले को लेकर उन्होंने कहा कि अब सरकार पीड़ित बच्चों की सुध लेगी। बच्चों को न्याय मिलेगा। सरकार ने जो भेदभाव किया था, उसमें सुधार किया जाएगा। इससे पूर्व इतना बड़ा आंदोलन उन्होंने कभी नहीं देखा था। चाहे त्यौहार हो या आम दिन पीड़ित बच्चे लगातार आंदोलन करते रहे। अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल बनाकर लोगों से मिले। यहां तक कि खुद उनसे मिले। अब जाकर उनको न्याय मिला है।

वहीं तमाम समस्याओं को लेकर उन्होंने कहा कि इंडिया की सरकार बनेगी तो सभी समस्या का हल होगा। आजमगढ़ के मामले में उन्होंने दावा किया कि लखनऊ से ज्यादा विकास यहां किया जाएगा। सड़क, बिजली, पानी, मेडिकल की सुविधा बढ़ाई जाएगी।

अमेजन फ्यूचर इंजीनियर कार्यक्रम के तहत आमंत्रित किये गए छात्राओं से आवेदन

गुरुग्राम। अमेजन ने आज अमेजन फ्यूचर इंजीनियर छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की। यह पहल, भारत में युवा महिलाओं को टेक्नोलॉजी में करियर बनाने में सहायता प्रदान करने से जुड़ी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों में स्नातक कर रही 500 छात्राओं को व्यापक सहायता प्रदान कर टेक्नोलॉजी उद्योग में लैंगिक अंतर को पाटना। हर चुनी गए स्कॉलर को शिक्षा संबंधी खर्च को पूरा करने में मदद करने के लिए चार साल के दौरान 200,000 रुपये की पर्याप्त छात्रवृत्ति मिलेगी। अमेजन फ्यूचर इंजीनियर प्रोग्राम के इंडिया लीड, अक्षय कश्यप ने कहा, "हमारा लक्ष्य है, प्रतिभा और अवसर के बीच की खाई को पाटकर यह सुनिश्चित करना है कि योग्य छात्राओं, विशेष रूप से वंचित समुदायों की छात्राओं को अपने इंजीनियरिंग करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन और सहायता मिले।

कार्यक्रम के तहत, अमेजन कर्मचारियों से मार्गदर्शन और सलाह जिससे स्कॉलर को करियर परामर्श मिलेगा और उन्हें उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, छात्राओं को ऐसे उद्योग कौशल से लैस किया जाएगा जिनकी बेहद मांग है और उन्हें सफल करियर के लिए तैयार 10 महीने के टेक्निकल बूटकैंप के जरिये कौशल संवर्धन, दूसरे साल के बाद अमेजन में करियर की शुरूआत में भुगतान के साथ इंटर्नशिप के जरिये व्यावहारिक अनुभव, जिसके तहत इंजीनियरिंग से जुड़े व्यावहारिक अनुभव और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटना सिखाया जाना शामिल है।

सबसे होनहार उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए अमेजन कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया अपना रही है। इसके लिए कंपनी ने फाउंडेशन फॉर एक्सलेंस (एफएफई) के साथ भागीदारी की है। अमेजन फ्यूचर इंजीनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम के लिए अब आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 31 अक्टूबर 2024 को बंद हो जाएगी। चुने गए स्कॉलर की घोषणा जनवरी 2025 तक की जाएगी।

एरिस इंन्फ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दायर किया

नोएडा। एरिस इंन्फ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। कंपनी एक बिजनेस-टू-बिजनेस प्रौद्योगिकी-सक्षम कंपनी है जो निर्माण सामग्री के लिए संपूर्ण खरीद प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे एक कुशल एंड-टू-एंड खरीद अनुभव प्रदान किया जा सके। कंपनी रु 2 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर कैपिटल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से रु 6,000 मिलियन [रु 600 करोड़] तक की कुल धनराशि जुटाने की योजना बना रही है। कुल निर्गम आकार में रु 6,000 मिलियन [रु 600 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम शामिल है। कंपनी शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए करने का प्रस्ताव करती है झ (१) कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों का पूर्ण या आंशिक रूप से पुनर्भुगतान / पूर्व भुगतान, जिसकी अनुमानित राशि रु 2,046 मिलियन [रु 204.60 करोड़] है; (२) कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का वित्तपोषण, जिसकी अनुमानित राशि रु 1,770 मिलियन [रु 177 करोड़] है; (३) अपनी सहायक कंपनी, बिल्डमेक्स-इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड में अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए निवेश, जिसकी अनुमानित राशि ? 480 मिलियन [रु 48 करोड़] है; (५) अपनी सहायक कंपनी, एरिसयूनिटर्न री सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मौजूदा शेयरधारकों से आंशिक शेयरधारिता की खरीद, जिसकी अनुमानित राशि रु 204 मिलियन [रु 20.40 करोड़] है जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड (जिसे पहले एडलवाइस सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था।

गिन्नी रिफाइंड सोयाबीन ऑयल को नए रूप में लॉन्च किया

अम्बाला : बुंगे इंडिया, जो दुनिया की एग्रीबिजनेस और फूड इंडस्ट्री में एक बड़ा नाम है, ने गिन्नी रिफाइंड सोयाबीन ऑयल को नए रूप में लॉन्च करने की घोषणा की है। इस कंपनी को एग्रीबिजनेस और फूड प्रोसेसिंग में लगभग 200 साल से ज्यादा का अनुभव है। बुंगे इंडिया उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले और किफायती उत्पाद देने के लिए समर्पित है। गिन्नी रिफाइंड सोयाबीन ऑयल में विटामिन ए, डी, और ई होते हैं, जो हमारी सेहत के लिए फायदेमंद हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड्स और पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स (पीयूएफए) भी होते हैं, जो खून में कोलेस्ट्रॉल को संतुलित रखने में मदद करते हैं। इन गुणों की वजह से गिन्नी रिफाइंड सोयाबीन ऑयल उन लोगों के बीच लोकप्रिय है, जो अपने खाने को पौष्टिक और सेहतमंद बनाना चाहते हैं।बुंगे इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड विनय श्रीवास्तव ने इस लॉन्च के बारे में कहा, 'गिन्नी रिफाइंड सोयाबीन ऑयल हमेशा से कई परिवारों का पसंदीदा ब्रांड रहा है। ग्राहकों का यह भरोसा और प्यार हमें नए-नए बदलाव करने और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद देने के लिए प्रेरित करता है। गिन्नी रिफाइंड सोयाबीन ऑयल के इस नए रूप को लॉन्च करके हम यह दिखाना चाहते हैं कि हम अपने ग्राहकों को उनके पैसे की पूरी कीमत और बेहतरीन गुणवत्ता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य है कि हर घर में अच्छे उत्पाद का आनंद लिया जा सके। हमारा मानना है कि अच्छी क्वालिटी की चीजें सस्ती भी होनी चाहिए।

साहिबाबाद में सिर कटी लाश का मिलने का पुलिस ने किया खुलासा

साहिबाबाद। टीला मोड़ थाना इलाके के पंचशील कॉलोनी के जंगल में 22 जून को मिले सिर कटे शव के मामले का पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा कर दिया। शव की पहचान राजू कुमार (29) पुत्र भैरव शाह निवासी बिशनपुर थाना पिपरा जिला मोतिहारी बिहार के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि तंत्र विद्या से रुपये कमाने के लिए ई-रिक्शा चालक विकास उर्फ परमात्मा ने ऑटो चालक विकास और उसके दोस्त धनंजय को तरीका बताया था। इसके बाद विकास और धनंजय ने पांच दिन तक शराब पिलाने के बाद पड़ोस में रहने वाले दोस्त राजू की हत्या कर दी थी। डीसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि विकास उर्फ मोटा निवासी गली नंबर-एक ताहिरपुर थाना दिल्ली, उसके दोस्त धनंजय पुत्र समासैनी निवासी हुसैनी थाना डुमरियाघाट जिला मोतिहारी बिहार को गिरफ्तार किया है। विकास ने पूछताछ में बताया कि वह अपने मामा मुन्ना का ऑटो किराये पर लेकर चलाता है।

कुछ महीने पहले उसकी मुलाकात धनंजय से हुई थी। वह कमला मार्केट, नई दिल्ली के पास गढ़ी हिम्मतगढ़ में अपने दूर के रिश्ते के मामा के पास रहकर खाना बनाता है। इसी बीच दोनों की मुलाकात विकास उर्फ परमात्मा निवासी ताहिरपुर दिल्ली से हुई। परमात्मा इन दोनों से तंत्र विद्या और टोने-टोटके से सब कुछ हासिल करने की बात कहता रहता था। अपने दोस्त से कहता रहता था कि एक दिन वह बड़े काम करेंगे और बहुत पैसे वाले बनेंगे ।

धर्म बदलकर युवती से दुष्कर्म कर किया गर्भवती, मुंबई ले जाकर बनाया बंधक

खोड़ा। थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी की युवती से धर्म बदलकर दुष्कर्म कर गर्भवती करने और मुंबई ले जाकर बंधक बनाने का मामला सामने आया है। युवती का आरोप है कि माथे पर टीका और हाथ में कलावा बांधे धर्म बदलकर रह रहे युवक ने उसके साथ वारदात की। आरोपी ने जबरन कोर्ट मैरिज करके युवती को मुंबई में बंधक भी बनाया। वहां आरोपी की मां ने भी उसका साथ दिया और धर्म बदलने के लिए प्रताड़ित किया।

पड़ोसन की मदद से युवती ने पिता को फोन से पूरी घटना बताई। पिता ने बेटी को मुंबई से लाने के बाद खोड़ा पुलिस को धर्म परिवर्तन कराने का दबाव, दुष्कर्म, झूठी शादी और अगवा करने समेत अन्य धारा में मुकदमा कराया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।युवती ने पुलिस को बताया कि दिल्ली के जामियानगर में रहने वाला समीर नाम का युवक फरवरी महीने में उनके घर के सामने किराये के कमरे में रहने आया था। कुछ दिनों में दोनों की बातचीत हुई। 15 मार्च को उसके माता-पिता घर से बाहर गए थे। तभी वह पानी लेने के बहाने घर में आया और मम्मी-पापा के बारे में पूछने लगा।

युवती ने उनके बारे में बताया। इसके बाद आरोपी ने दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसने धमकी दी कि अगर घर में या बाहर किसी को कुछ बताया तो वह परिवार को जान से मार देगा। युवती उसकी धमकी दे डर गई। 19 मार्च को वह उसे कॉलेज से सीधे से कोर्ट ले गया। वहां एक कागजात पर हस्ताक्षर कराकर कोर्ट मैरिज करने का दावा किया।तब युवती को उसके धर्म का पता चला तो उसने कड़ा विरोध किया। इस पर आरोपी ने धमकी दी कि अब जैसा वह चाहेगा, उसे भी वैसा करना होगा। युवती घबराती हुई अपने घर लौट आई। आरोप है कि आरोपी ने कई बार उसे कोर्ट मैरिज का हवाला और धमकी का डर दिखाकर बाहर बुलाकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म करता रहा।

कल्पतरु लिमिटेड ने सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

नोएडा । कल्पतरु लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (ह्लसेबीह्व) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कल्पतरु लिमिटेड महाराष्ट्र के मुंबई महानगर क्षेत्र (ह्लएमएमआरह्व) में एक प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर है और एमएमआर में सभी माइक्रो-मार्केट में मौजूद है (स्रोत: एनारॉक रिपोर्ट)। कंपनी एक एकीकृत रियल एस्टेट विकास कंपनी है जो रियल एस्टेट विकास से जुड़ी सभी प्रमुख गतिविधियों में शामिल है, जिसमें भूमि की पहचान और अधिग्रहण (या उसके विकास अधिकार), योजना, डिजाइनिंग, निष्पादन, बिक्री और उनकी परियोजनाओं का विपणन शामिल है। कंपनी के आईपीओ में 1590 करोड़ रुपये तक का नया निर्गम शामिल है।

कंपनी ने शुद्ध आय का उपयोग कंपनी और उनकी सहायक कंपनियों द्वारा लिए गए कुछ उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव किया है।

KALPA-TARU®
KALPATARU LIMITED

विद्युत बोर्ड के पेंशनर्स को मेडिकल रिम्बर्समेंट के लिए दफ़्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिल्ली विद्युत बोर्ड के रिटायर पेंशनर्स के लिये बड़ा एलान करते हुए उन्हें पैनल अस्पतालों पर कैशलेस सुविधाएँ प्रदान करने की घोषणा की है। शनिवार को बिजली मंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए ये घोषणा की।

इस मौके पर बिजली मंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली विद्युत बोर्ड के पेंशनर्स को मेडिकल रिम्बर्समेंट के लिए अब दफ़्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं है। पैनल अस्पतालों में उन्हें कैशलेस मेडिकल सुविधा मिलेगी।उन्होंने कहा कि, केजरीवाल सरकार के इस फैसले से दिल्ली विद्युत बोर्ड के 20,000 से अधिक पेंशनर्स को लाभ मिलेगा। इसका आधिकारिक नोटिफिकेशन 1-2 दिन में जारी होगा।

उन्होंने कहा कि, अरविंद केजरीवाल ने हमेशा पेंशनर्स की मुश्किलों को दूर किया। पहले पेंशन को स्ट्रीमलाइन किया तो अब वादा निभाते हुए कैशलेस मेडिकल सुविधाएँ दी है।

बिजली मंत्री आतिशी ने कहा कि, 2002 में दिल्ली के पॉवर सेक्टर में बड़ा रिफार्म हुआ था। दिल्ली विद्युत बोर्ड से बिजली सेक्टर की अलग अलग सेक्टर की इकाइयाँ बनाई गई थी। जिसमें दिल्ली सरकार की बिजली जनरेशन कंपनियाँ, ट्रांसमिशन कंपनी दिल्ली ट्रांस्को लिमिटेड और 3 डिस्कॉम्स दिल्ली के अलग अलग हिस्सों में पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन का काम करते है।

उन्होंने कहा कि, जब दिल्ली विद्युत बोर्ड की अनबंडलिंग की गई तो जो सरकारी कर्मचारी उस समय दिल्ली विद्युत बोर्ड में काम कर रहे थे, उन्हें सभी सुविधाएँ देने की ज़िम्मेदारी दिल्ली सरकार ने ली थी। लेकिन ये दुर्भाग्यपूर्ण था कि जो सरकारी कर्मचारी रिटायर हुए, उनमें से कई कर्मचारियों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इन्हें अक्सर समय से पेंशन नहीं मिलती थी, बाकी सुविधाएँ नहीं मिलती थी।

बिजली मंत्री आतिशी ने कहा कि, 2015 में जब अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बनें तब दिल्ली विद्युत बोर्ड के पेंशनर्स ने उनके सामने अपनी सारी समस्याएँ रखी।

और मुझे इस बात की खुशी है कि तब से अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली विद्युत बोर्ड के सभी पेंशनर्स के सिस्टम को स्ट्रीमलाइन किया गया और सभी जरूरतों को पूरा किया गया।

जसपाल राणा ने चयन नीति के लिए NRAI की आलोचना की, कहा- इससे निशानेबाजों को नुकसान हो रहा है

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत कर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर के कोच जसपाल राणा ने राष्ट्रीय महासंघ की लगातार बदलती ओलंपिक चयन नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे कुछ ज्यादा ही होनहार प्रतिभाओं को नुकसान हुआ है और अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो आगे भी ऐसा होता रहेगा। एशियाई खेल 2006 में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले राणा ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की अपनी नीतियों में अंतिम समय में बदलाव करने की प्रवृत्ति की आलोचना की। राणा ने संपादकों से बात करते हुए अपनी राय साझा की। इस दौरान उनके साथ मनु भी मौजूद थीं जिन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा (सरबजोत सिंह के साथ मिलकर) में कांस्य पदक जीते थे। राणा ने कहा, '(महासंघ की) चयन नीति हर छह महीने में बदलती है। मैंने खेल मंत्री से मुलाकात करके इस पर उनसे बात की। उन्हें निर्णय लेने दें... वे जो भी निर्णय लेते हैं, सही या गलत, हम उस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं, और फिर उस पर कायम रहें। आप इसके बाद निशानेबाजों के प्रदर्शन में अंतर देखेंगे। तोक्यो ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी सौरभ चौधरी और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज जीतू राय जैसे कई प्रतिभाशाली निशानेबाज कुछ ही वर्षों में फीके पड़ गए, जबकि वे सबसे प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक थे।

ऋषभ पंत ने दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले मैच में की गेंदबाजी

नई दिल्ली। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में साउथ दिल्ली सुपरस्टार (एसडीएस) और पुरानी दिल्ली 6 (पीडीएल) के बीच दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले मैच में गेंदबाजी करते हुए देखा गया। पुरानी दिल्ली 6 की कप्तानी कर रहे पंत मैच का आखिरी ओवर करने आए जिसमें एसडीएस को जीत के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी। कलाई के स्पिनर ने लो फुल टॉस फेंकी जिसे लॉन्ग ऑन की तरफ ड्राइव करके सिंगल लिया गया और एसडीएस ने 19.1 ओवर में 198 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए मैच सात विकेट से जीत लिया। हालांकि पंत की गेंदबाजी को देखकर प्रशंसक खुश थे। पंत ने अपने पेशेवर करियर में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में केवल 15 ओवर फेंके हैं, जहां उन्होंने दो ओवर में एक विकेट लिया। इसके अलावा उन्होंने कभी भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट या आईपीएल में गेंदबाजी नहीं की है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 35 (32) रन बनाए। पंत स्पिनरों के सामने संघर्ष करते दिखे क्योंकि वे 100 की स्ट्राइक रेट बनाए रखने में विफल रहे। हालांकि वे अंत में अपने स्कोर को बढ़ाने के लिए बाउंड्री की झड़ी लगाकर रन बनाने में सफल रहे। भारतीय क्रिकेटर की डीपीएल में यादगार शुरुआत नहीं रही और उनकी टीम मैच हार गई।

मोहम्मद शमी की रणजी ट्रॉफी में वापसी, इस टीम से खेलेंगे मुकाबला

नई दिल्ली। टखने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के दौर से गुजर रहे सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम बंगाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने की संभावना है। वह इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की श्रृंखला में किसी 1 टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। समझा जाता है कि शमी 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश और 18 अक्टूबर को बिहार के खिलाफ बंगाल के शुरुआती 2 रणजी मैचों में किसी एक मैच में खेल सकते हैं। इन दोनों मैचों के बीच सिर्फ 2 दिन का समय है ऐसे में इस बात की संभावना कम है कि वह दोनों मैचों का हिस्सा होंगे। न्यूजीलैंड टेस्ट श्रृंखला 19 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरू होगी, उसके बाद पुणे (24 अक्टूबर) और मुंबई (एक नवंबर) में टेस्ट होंगे। ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे पर जाने से पहले शमी के इनमें से एक मैच खेलने की उम्मीद है। भारत के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक 34 साल के शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेले गये एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से टीम से बाहर है।

बचपन में मैं भी टेप बॉल से खेला, यह गेंद लेती है बल्लेबाजों की परीक्षा

मुंबई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने खुलासा किया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिवर्स स्विंग का सामना करने के अपने अनुभव का इस्तेमाल टेनिस गेंद टूर्नामेंट 'इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल)' में इसे लागू करने के लिए किया। आईएसपीएल के दूसरे सत्र की यहां घोषणा की गई। आईएसपीएल का दूसरा सत्र ठाणे के दादोजी कोंडदेव स्टेडियम में 26 जनवरी से नौ फरवरी 2025 तक आयोजित किया जाएगा जिसमें अक्टूबर से देश के पांच क्षेत्रों के 55 शहरों में ट्रायल होंगे। टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी।तेंदुलकर ने उम्मीद जताई कि स्टेडियम में 30,000 और इससे अधिक दर्शकों को आकर्षित करने वाले टूर्नामेंट का जल्द ही महिला क्रिकेटर भी हिस्सा होंगी। तेंदुलकर ने लीग के खास नियमों जैसे 50-50 और एक शॉट पर नौ रन देने के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर हम बल्लेबाजों को कुछ फायदा दे रहे हैं तो गेंदबाजों को भी खेल में शामिल होने का मौका मिलना चाहिए।

टीम विस्मा के डेनिश साइकिलिस्ट जोनास विंगेगार्ड ने टूर डी पोलोन जीता

एजेंसी

वारसॉ। टीम विस्मा के डेनिश साइकिलिस्ट जोनास विंगेगार्ड ने पोलैंड के क्राको में 81वें टूर डी पोलोन जीत ली है।

विएलिक्ज़का से क्राको तक 142 किलोमीटर तक फैला अंतिम चरण पेलोटन फ़िनिश के साथ समाप्त हुआ, जिसमें डचमैन ओलाव कूइज (विस्मा-लीज़ ए बाइक) ने स्टेज जीत हासिल की।

कूइज ने बेल्जियम के टिम मेर्लियर (सौडल क्विक-स्टेप) और गेरबेन थिजसेन (इंटरमार्चे-वांटी) को पछाड़कर टूर डी पोलोन में अपनी चौथी स्टेज जीत हासिल की, और प्रूडनिक में अपनी पिछली सफलता के बाद इस साल के संस्करण में अपनी दूसरी जीत दर्ज की।अंतिम दिन विंगेगार्ड ने सामान्य वर्गीकरण में इटली के डिएगो

उलिसी पर 13 सेकंड की बढ़त हासिल की। ??रविवार की दौड़ बिना किसी बड़े आश्चर्य के हुई, क्योंकि चार साइकिल चालकों ने ब्रेकअवे की शुरुआत की, लेकिन फ़िनिश से तीन किलोमीटर पहले पेलोटन द्वारा उन्हें पीछे कर दिया गया। विंगगार्ड ने आराम से पेलोटन के भीतर फ़िनिश लाइन पार की, जिससे सामान्य वर्गीकरण में उनकी समग्र जीत सुनिश्चित हुई। इटली के डिएगो उलिसी (यूएई टीम एमिरेट्स) और उनके डच साथी विल्को केल्डरमैन पोडियम पर विंगेगार्ड के साथ शामिल हुए। विंगेगार्ड ने रेस के बाद मीडिया से कहा, मैं जीत से बहुत खुश हूं। मैंने पोलैंड में प्रतिस्पर्धा करने का फैसला किया क्योंकि यह वर्ल्ड टूर रेस थी। मेरा लक्ष्य सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेना है, इसलिए मैं यहां हूं। मुझे वास्तव में गर्व महसूस हो रहा है। अब थोड़ा ब्रेक लेने का समय है।

हमारी लड़ाई जारी रहेगी, सच्चाई की जीत होगी : विनेश फोगाट

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक से स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत से अभिभूत पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि भारतीय कुश्ती की बेहतरी के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी और सच्चाई की जीत होगी। ओलंपिक में 50 किग्रा फाइनल में पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित की गई विनेश का यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। विनेश ने अपनी अयोग्यता के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी लेकिन उसके तदर्थ प्रभाग ने उसे खारिज कर दिया था। विनेश ने अपने प्रशंसकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। लड़ाई जारी रहेगी और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि सच्चाई की जीत होगी। विनेश और उनके साथी ओलंपियन बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) और उसके पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक साल से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विनेश सहित छह पहलवान पिछले साल डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे थे। विनेश ने यह भी कहा कि उनका जिस तरह से शानदार स्वागत किया गया उससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। इस 29 वर्षीय पहलवान ने कहा, 'मुझे अपने देशवासियों, मेरे गांव और परिवार के सदस्यों से जो प्यार मिला उससे मुझे इस झटके से उबरने में मदद मिलेगी। मैं वापस कुश्ती में लौट सकती हूं। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक पदक से चूकना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा झटका है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए रसेल, होल्डर और अल्जारी जोसेफ को आराम

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी तीन मैचों की घरेलू टी-20 श्रृंखला के लिए टीम घोषित कर दी है। हरफनमौला खिलाड़ी आंद्रे रसेल सीरीज से बाहर रहेंगे, क्योंकि उन्होंने आराम और रिकवरी के लिए कुछ समय मांगा है।

36 वर्षीय रसेल जून में अपने घरेलू विश्व कप के दौरान वेस्टइंडीज की सुपर आठ तक की दौड़ का हिस्सा थे और हाल ही में द हंड्रेड टीम लंदन स्पिरिट के लिए खेले थे। रसेल और जेसन होल्डर, जिन्हें टी20आई के लिए भी आराम दिया गया है, सीडब्ल्यूआई विज्ञान और चिकित्सा टीम के साथ मिलकर काम करेंगे। अल्जारी जोसेफ, जो टी20 विश्व कप के दौरान वेस्टइंडीज के उप-कप्तान थे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, वे भी आराम करना जारी रखेंगे। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग भी इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि वह जून में इंग्लैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज के सुपर आठ

मैच के दौरान लगी साइड स्ट्रेन से उबर रहे हैं। किंग ने तब से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। उनकी अनुपस्थिति में, शाई होप जॉनसन चार्ल्स के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत कर सकते हैं, जबकि रूकी एलिक अथानाज़े भी शीर्ष पर काम कर सकते हैं। वेस्टइंडीज के व्हाइट-बॉल कोच डैरेन सैमी ने सीडब्ल्यूआई के एक बयान में कहा, दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम का सामना करना हमारी टीम के लिए अपने खेल की योजना को फिर से बनाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने का एक शानदार अवसर है। हमने हाल ही में उनके साथ खेला है और मिश्रित परिणाम मिले हैं, इसलिए यह एक रोमांचक और महत्वपूर्ण श्रृंखला होनी चाहिए। मुझे हमारे द्वारा चुनी गई टीम पर भरोसा है, और 2026 में अगले टी20 विश्व कप पर नज़र रखने के साथ, मुझे पता है कि खिलाड़ी सफलता के लिए अपनी भूख दिखाने के लिए उत्सुक होंगे।

शिमरोन हेटमायर, जिन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में एक भी मैच नहीं खेला था, ने टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। हेटमायर ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में वेस्टइंडीज के लिए टी20 मैच खेला था। अथानाज़े के साथ, ऑलराउंडर मैथ्यू फ़ोर्ड को 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए चुना गया है। फ़ोर्ड नई गेंद को स्विंग कर सकते हैं और निचले क्रम में छक्के लगा सकता है और सीपीएल में सेंट लूसिया किंग्स में सैमी के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर फ़ेबियन एलन टीम में वापस आ गए हैं, जो टी20 विश्व कप के लिए कट से चूक गए थे। वह स्पिन आक्रमण को मजबूत करेंगे जिसमें पहले से ही अकील होसेन, गुडाकेश मोती और रोस्टन चेज शामिल हैं। एलन ने जुलाई में जाफना किंग्स के साथ लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) जीती थी। तरौबा ब्रायन लारा स्टेडियम तीनों टी20 की मेज़बानी करेगा। श्रृंखला का पहला मैच 24 अगस्त, दूसरा 26 अगस्त और तीसरा 28 अगस्त को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए वेस्टइंडीज की टीम–

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेस (उप-कप्तान), एलिक अथानाज़े, फैबियन एलन, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ओबेद मैककॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

पैट कमिंस ने भारत के खिलाफ श्रृंखला को देखते हुए लिया लंबा ब्रेक

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने इस साल के आखिर में भारत के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए आठ सप्ताह का ब्रेक लिया है।

कमिंस अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट में भाग लेने के बाद हाल में ऑस्ट्रेलिया लौटे हैं। ऑस्ट्रेलिया में गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उन्होंने खुद को तरोताजा रखने के लिए विश्राम करने का फैसला किया है। इस कारण उन्हें इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया है। कमिंस ने कहा, 'ब्रेक के बाद वापसी करने पर हर कोई तरोताजा महसूस करता है। आपको इसका कभी अफसोस नहीं होता। उन्होंने कहा, 'मैं लगभग 18 महीने पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से लगातार गेंदबाजी कर रहा हूं।

योगेश्वर दत्त ने स्पीड और फिगर स्केटिंग के विजेताओं को किया सम्मानित

एजेंसी

गुरुग्राम। आईस्केट बाय रोजेट में पिछले छह दिन एक्शन, स्पीड, कौशल और रोमांच से भरे हुए थे। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 300 एथलीटों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, आज 19वीं राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप के विजेताओं की घोषणा की गई। प्रियम टेटेड और तारा प्रसाद ने फिगर स्केटिंग की सीनियर कैटेगरी में जीत हासिल की। उन्होंने सीनियर कैटेगरी में शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग के लिए भी गोल्ड मेडल जीता।

योगेश्वर दत्त ने आज गुरुग्राम में आईस्केट बाय रोजेट में आयोजित एक भव्य समापन समारोह में विजेताओं को ट्रॉफी, पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में पीवी सिंधु और अमिताभ शर्मा शामिल रहे।

आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, श्री अमिताभ शर्मा ने कहा, हम आईस्केट बाय रोजेट में 19वीं राष्ट्रीय आइस स्केटिंग चैंपियनशिप प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया देशभर में शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देने के अपने मिशन में दृढ़ है। हम साल भर राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों और फिगर स्केटिंग और स्पीड स्केटिंग में प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने एथलीटों के कौशल को विकसित करने के लिए लगातार काम करते हैं। इस साल का आयोजन बहुत ही आशाजनक और व्यापक था, और हम आने वाले वर्षों में इस खेल को अभूतपूर्व स्तरों पर ले जाने के लिए तत्पर हैं।

विजेताओं को बधाई देते हुए, श्री करण राय, बिजनेस हेड, आईस्केट ने कहा, इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी करना हमारे लिए एक सम्मान और सौभाग्य की बात है, एक परंपरा जिसे हमने 2012 से गर्व से बनाए रखा है। वर्षों से, हमने उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, क्योंकि इस साल हमारे पास 300 से अधिक प्रतिभागी थे- जो इस खेल के प्रति बढ़ते उत्साह का स्पष्ट संकेत है। हमारी प्रतिबद्धता उत्कृष्टता की ओर है, जो हमारी विश्व स्तरीय सुविधाओं और व्यापक वर्षभर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्पष्ट है। आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी में, आईस्केट हमारे स्केटर्स को समर्थन देने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा और प्रायोजन प्रदान करता है। हमारा रिंक भारत के कुछ स्थानों में से एक है जो सालभर आइस स्केटिंग में प्रशिक्षण की पेशकश करता है। शीतकालीन खेलों की पूरी क्षमता को साकार करने के लिए, हमें देशभर में अतिरिक्त बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास की वकालत करनी चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया जा सके और सभी के लिए प्रशिक्षण के अवसर बढ़ाए जा सकें। आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप में दो श्रेणियों-शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग और फिगर स्केटिंग में प्रतिस्पर्धा की गई जिसमें एथलीटों को उनके आयु वर्ग के आधार पर प्रत्येक श्रेणी में विभाजित किया गया था।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच कराची से रावलपिंडी स्थानांतरित

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले वर्ष होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कराची नेशनल स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्य के कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होने वाले दूसरे टेस्ट मैच को कराची से रावलपिंडी स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।

दो मैचों की टेस्ट शृंखला के प्रारंभिक कार्यक्रम के अनुसार पहला टेस्ट 21 अगस्त से रावलपिंडी में और दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से 3 सितंबर के बीच कराची में खेला जाना था। अब कराची वाला मैच भी रावलपिंडी में खेला जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में बताया कि निर्माण विशेषज्ञों ने हमें स्थल की तैयारी के लिए समय-सीमा के बारे में बताया है।

उन्होंने सलाह दी कि खेल के समय निर्माण कार्य जारी रह सकता है लेकिन इसके परिणामस्वरूप होने वाला ध्वनि प्रदूषण खिलाड़ियों को परेशान करेगा। इसके अतिरिक्त, निर्माण कार्य से निकलने वाली धूल खिलाड़ियों, अधिकारियों, प्रसारकों और मीडियाकर्मियों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। पीसीबी ने कहा कि यह देखते हुए कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए निर्माण कार्य निर्बाध रूप से जारी रहना चाहिए, बोर्ड ने दोनों मैच रावलपिंडी में आयोजित करने का निर्णय लिया है।

पेरिस ओलंपिक के हॉकी खिलाड़ियों पर पंजाब सरकार ने की धनवर्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हाल ही में समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के पंजाब के आठ खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये और ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले 11 अन्य खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपये के चेक दिए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर है, क्योंकि प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 52 वर्षों के अंतराल के बाद भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया को हराकर बेहद खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि टीम का पदक जीतना हर देशवासी के लिए सपने के साकार होने जैसा है। सबसे अच्छी बात यह है कि कप्तान हरमनप्रीत ने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया, जिससे टीम जीत की ओर अग्रसर हुई। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस नेतृत्व की क्षमता

बेमिसाल थी, जिसके कारण टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरमनप्रीत ने अकेले ओलंपिक में 10 गोल किए हैं और प्रदेश सरकार आज इन हीरों को सम्मानित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश इन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उनके कीर्तिमान की सराहना कर रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भारतीय हॉकी पुनरुत्थान के रास्ते पर है और पंजाब नवंबर महीने में हॉकी की चार विश्व स्तरीय टीमों के बीच लीग टूर्नामेंट आयोजित करने पर विचार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तत्परता से काम कर रही है और इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि 'खेडा वतन पंजाब दीयां' का तीसरा संस्करण 28 अगस्त से शुरू होगा, जो प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पंजाब सरकार प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए माहिलपुर क्षेत्र में फुटबॉल, संगरूर में बॉक्सिंग, जालंधर में हॉकी, लुधियाना में एथलेटिक्स और अन्य खेल क्लस्टरों का विकास करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पदक विजेता खिलाड़ियों को नकद इनाम और नौकरियों के अलावा प्रदेश सरकार पहले से दी गई नौकरियों में तरक्की देने की संभावना भी तलाशेगी। एक विशेष भूमिका निभाते हुए भगवंत सिंह मान ने ओलंपिक मैचों के दौरान मैदान में उनके अनुभवों के बारे में खिलाड़ियों से सवाल-जवाब भी किए। हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह और अन्य खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने मैचों के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाई गई शानदार खेल भावना की सराहना की, जिसके कारण टीम ने शानदार जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ प्रदेश की मुहिम के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा, ताकि हमारे युवाओं को प्रेरणा मिल सके।

अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2025 के कार्यक्रम की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मलेशिया में अगले साल की शुरुआत में होने वाले अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप के मैचों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट की शुरुआत 18 जनवरी को होगी और फाइनल मुकाबला 2 फरवरी को खेला जाएगा। यह अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप का दूसरा संस्करण है। विश्व कप के पहले संस्करण के फाइनल में भारतीय अंडर-19 महिला टीम ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

दूसरे संस्करण में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनके बीच कुल 41 मुकाबले खेले जाएंगे। मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम को ग्रुप ए में वेस्टइंडीज, श्रीलंका और मेजबान मलेशिया में रखा गया है। ग्रुप बी में इंग्लैंड, आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका की टीमे हैं। पिछले संस्करण की मेजबान दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, समोआ और अफ्रीका से क्वालीफायर ग्रुप सी में हैं। ग्रुप डी में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, स्कॉटलैंड और एशिया से एक क्वालीफायर शामिल है। प्रत्येक टीम राउंड-रॉबिन चरण में अन्य टीमों के साथ खेलेगी, जिससे ग्रुप चरण में प्रत्येक टीम को तीन-तीन मैच खेलने

को मिलेंगे। इसके बाद सभी चार ग्रुपों से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी। सुपर सिक्स चरण में 12 टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। सुपर सिक्स में प्रत्येक टीम दो मैच खेलेंगी। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो 31 जनवरी को होगा तथा फाइनल 2 फरवरी 2025 को होगा। यदि भारतीय टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करती है, तो वो सेमीफाइनल 2 खेलेगी, जो 31 जनवरी को स्थानीय समयानुसार 14¬30 बजे होगा। एक फरवरी को सेमीफाइनल के लिए आरक्षित दिन रखा गया है तथा 3 फरवरी को फाइनल के लिए आरक्षित दिन रखा गया है।

72 रन पर ऑलआऊट हुई ऑस्ट्रेलिया ए टीम, भारत को मिली बड़ी जीत

एजेंसी

मकाय । प्रिया मिश्रा के 5 और मिन्नू मनी के (2 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंडिया ए महिला टीम ने खेले के तीन मैचों की सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ए को 171 रनों से हरा दिया है। भारतीय टीम शानदार गेंदबाजी के आगे 244 रनों के लक्ष्य पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया का कोई भी बल्लेबाज पिच पर नहीं टिक सका। मैडी डार्क ने सर्वाधिक (22), टेस फ्लिंटॉफ ने (20) और चार्ली नॉट (11) रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका और ऑस्ट्रेलियाई टीम 22.1 ओवर में 72 के स्कोर पर सिमट गई।

भारतीय टीम ने अपने मुकाबले में अपना दमखम दिया है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से यह सीरीज जीत चुकी है। इंडिया ए महिला टीम की ओर से प्रिया मिश्रा ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिकरा करते हुए 5 ओवरों में 2 मेडन के साथ 14 रन देकर 5 विकेट लिए।

टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर 2027 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा टेस्ट मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरा होने का जश्न मनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें एक टेस्ट मैच खेलेंगी। यह स्टैंडअलोन सेलिब्रेशन मैच वर्ष 2027 में ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेला जाएगा। क्रिकेट के इतिहास में पहला टेस्ट मुकाबला मार्च 1877 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। यह मुकाबला भी मेलबर्न के मैदान पर खेला गया था। पहले टेस्ट मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था। साल 2027 में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में इस खास अवसर पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर स्टैंडअलोन सेलिब्रेशन मैच खेलेंगी। टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए ये ऐलान किया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले सात ग्रीष्मकाल (2024-25 से 2030-31 तक) के लिए पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय टेस्ट, वनडे, टी20 और अन्य मैचों की मेजबानी के अधिकारों के आवंटन की भी घोषणा की है।

आईसीसी के अनुसार ये व्यवस्थाएं सीए और राज्य एवं क्षेत्रीय सरकारों के बीच रणनीतिक साझेदारी की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जो प्रशंसकों और समुदायों के लिए अधिक निश्चितता प्रदान करने के साथ-साथ देशभर में क्रिकेट आयोजनों का विस्तार करने के लिए तैयार की गई हैं। इस व्यवस्था के तहत, एमसीजी वार्षिक बॉक्सिंग डे टेस्ट की मेजबानी की अपनी परंपरा को बनाए रखेगा, जबकि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड नए साल के मैच का आयोजन जारी रखेगा। एडिलेड ओवल 2025/26 सीजन से शुरू होने वाले हर दिसंबर में क्रिसमस टेस्ट की मेज़बानी करेगा, जिसमें डे-नाइट और डे टेस्ट का मिश्रण होगा। इस बीच, पर्थ स्टेडियम ने 2026/27 सीजन तक गर्मियों के पहले पुरुष टेस्ट की मेज़बानी करने के अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। सीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने एक बयान में कहा कि हमें दीर्घकालिक मेजबानी अधिकारों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है, जो अगले सात वर्षों में कुछ शानदार क्रिकेट मैचों के स्थानों के बारे में निश्चितता प्रदान करते हैं। हमें विश्वास है कि यह कार्यक्रम सुनिश्चित करेगा कि देश भर में सही समय पर सर्वश्रेष्ठ स्थानों पर सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेला जाएगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन पहुंचे इजराइल, गाजा में सीजफायर डील पर होगी बातचीत

एजेंसी

तेल अवीव। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन रविवार देर रात इजराइल पहुंचे। वे दोपहर 1.30 बजे यरूशलम में पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच इजराइल और हमास के बीच सीजफायर को लेकर अहम चर्चा और बंधकों की रिहाई से जुड़ी डील पर बातचीत होगी। ब्लिंकन, इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से भी मुलाकात करेंगे। इजराइल-हमास युद्ध समाप्त कराने का मकसद लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन रविवार देर रात तेल अवीव पहुंचे। गाजा में इजराइल और हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ब्लिंकन नौवीं बार मध्य पूर्व में अपने राजनयिक मिशन पर पहुंचे हैं। इससे पहले कतर की राजधानी दोहा में 15 और 16 अगस्त को इजराइल, अमेरिका, कतर और मिस्र के प्रतिनिधियों के बीच सीजफायर को लेकर बातचीत हुई थी। इस बातचीत में हमास ने हिस्सा नहीं लिया था। बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने दावा किया था कि सीजफायर डील काफी करीब है। सीजफायर डील के दूसरे चरण की बातचीत इसी सप्ताह मिस्र में होनी है। इस बातचीत के लिए इजराइली प्रतिनिधिमंडल रविवार शाम मिस्र के लिए रवाना हो गया। ब्लिंकन के तेल अवीव पहुंचने से पहले इजराइली पीएम नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर इजराइल लचीला हो सकता है।

टेक्सास में सड़क हादसे में एक ही परिवार के भारतीय मूल के तीन सदस्यों समेत पांच की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास में कार से हुए सड़क हादसे में भारतीय मूल के दंपति और उनकी बेटी की मौत हो गयी। इस हादसे में दूसरी कार में बैठे दो अन्य लोगों की भी मौत हो गयी। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गयी है। जानकारी के अनुसार, अरविंद मणि (45), उनकी पत्नी प्रदीपा अरविंद (40) और उनकी 17 वर्षीय बेटी एंड्रिल अरविंद की कार दुर्घटना में मौत हो गयी। इसमें कहा गया है कि ये लोग लिएंडर के रहने वाले थे। रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटना टेक्सास के लैम्पासस काउंटी के निकट हुयी। इस परिवार का एकमात्र सदस्य बच गया है, दंपति का 14 साल का बेटा आदिरयान है। वह दुर्घटना के समय उनके साथ वाहन में नहीं था। टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग के अनुसार मणि की कार जिस अन्य वाहन से टकरायी उसे जैसिंटो गुडिनो दुरान (31) चला रहा था और दोनों वाहनों की आमने सामने की टक्कर हो गयी।

गाजा समझौते में अस्पष्टता के कारण युद्ध विराम को लेकर असमंजस

गाजा। गाजा पट्टी में बंधकों की रिहाई पर संभावित समझौते के शब्द अस्पष्ट होने के चलते इस बात में संदेह है कि यह इजरायल और फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के बीच स्थायी युद्धविराम का नेतृत्व करने में सक्षम होगा। 'वाशिंगटन पोस्ट' में जानकार राजनयिकों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। अखबार ने कहा कि अगर कोई समझौता हो भी जाता है, तो इसके शब्दों में अस्पष्टता के कारण व्यापक संदेह है कि इससे गाजा में युद्ध समाप्त हो जाएगा।

प्रकाशन के अनुसार मसौदे में परिकल्पना की गई है कि हमास द्वारा अधिकांश बंधकों को रिहा करने के बाद, इजरायल और हमास युद्धविराम के पहले छह हफ्तों के भीतर स्थायी युद्धविराम पर बातचीत में प्रवेश करेंगे। हालाँकि सूत्रों ने कहा कि अगर इज़राइल निर्धारित करता है कि वार्ता विफल हो गई है तो वह गाजा पट्टी में अपने सैन्य अभियान फिर से शुरू कर सकता है। इससे पहले इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि नेतन्याहू गाजा समझौते को आगे बढ़ाने के लिए काम करना जारी रख रहे है। जिससे बंधकों की रिहाई की संख्या अधिकतम हो जाएगी और वह इस बात पर भी जोर दे रहे थे कि आईडीएफ गाजा पट्टी और मिस्र के बीच सीमा पर गलियारे में रहे।

बंगलादेश की अंतरिम सरकार सुधारों के तुरंत बाद राष्ट्रीय चुनाव की बना रही है योजना

ढाका। बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा है कि देश की प्रणाली में आवश्यक सुधार लाने के बाद जल्द से जल्द स्वतंत्र, निष्पक्ष और भागीदारीपूर्ण चुनाव की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने ढाका में राजनयिकों के साथ एक बैठक में कहा, जैसे ही हम अपने चुनाव आयोग, न्यायपालिका, नागरिक प्रशासन, सुरक्षा बलों और मीडिया में महत्वपूर्ण सुधार करने के अपने जनादेश को पूरा कर लेंगे, हम एक स्वतंत्र, निष्पक्ष भागीदारी वाला चुनाव कराएंगे। श्री यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रण में लाना होगी। उन्होंने कहा, हमारे लोगों और देशभक्त सशस्त्र बलों के अटूट समर्थन से हम थोड़े समय के भीतर सामान्य स्थिति के करीब होंगे। पुलिस बल ने भी अपना अभियान फिर से शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक स्थिति उचित होगी, सशस्त्र बल नागरिक शक्ति की सहायता में काम करना जारी रखेंगे।

यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के दो महत्वपूर्ण पुलों पर हमला किया, जवाबी हमले में रूसी सेना ने कीव पर दागी मिसाइल, बेलारूस हुआ अलर्ट

एजेंसी

कीव/मास्को। यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पुल को नष्ट कर दिया है तथा पास में ही स्थित एक और पुल पर हमला किया है। वहीं रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना के लगातार हमला के बाद रूस के भी जवाबी हमले को कमजोर करने के लिए यूक्रेन ने एक अन्य पुल को निशाना बनाया है। इसके कारण रूसी सेनाओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है। यह हमला सीमा पार से की गई घुसपैठ के दो सप्ताह से भी कम समय में हुआ है। इस हमले से रूसी आपूर्ति मार्ग बाधित हो गया है। वहीं रूस के रोस्तोव में यूक्रेनी ड्रोन के मलबे की चपेट में आकर एक गोदाम में आग लग गई। वहां डीजल का भंडारण किया गया था। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा कि यूक्रेन ने बेलारूस के साथ अपनी सीमा पर 120,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है और मिन्स्क ने पूरी सीमा पर अपने लगभग एक तिहाई सशस्त्र बलों को तैनात किया है। हालांकि, मास्को यहां तक पहुंचने के लिए पोंटून और अन्य माध्यमों का उपयोग कर सकता है। यूक्रेनी वायु सेना की ओर से शुक्रवार को एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें क्षतिग्रस्त पुल नजर आ रहा है। दो दिन पहले ही सियाम नदी पर बने एक अन्य पुल को ध्वस्त कर दिया गया था। आधिकारिक रूप से साफ नहीं हो पाया कि दूसरा पुल कहां है, लेकिन एक रूसी टेलीग्राम चैनल की ओर से कहा गया है कि

यह सियाम पर जवान्नो के पास स्थित है। रूस की मैश समाचार साइट के अनुसार, हमलों के कारण क्षेत्र में अब केवल एक ही पुल बचा है। इसके कारण रूसी सेना तक पहुंचने वाली मदद और क्षेत्र से आम नागरिकों को निकालने के मॉस्को के प्रयासों की चुनौती बढ़ गई है।

इस बीच, रूस ने कीव पर मिसाइलों से हमला बोला है। हमले में क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रयोग किया गया है। इस महीने रूस की ओर से कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से तीसरा हमला है। रूस हर छह दिनों के बाद यहां मिसाइलें दाग रहा है। हालांकि, यूक्रेनी वायु सुरक्षा प्रणाली की ओर से इन्हें मार गिराया गया। यूक्रेन की वायुसेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट मायकोला ओलेशचुक ने शुक्रवार को यूक्रेनी हवाई हमले का एक वीडियो जारी किया, जिसमें पुल दो हिस्सों में बंट गया। ओलेशचुक और रूस के क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्सई स्मिरनोव के अनुसार, दो दिन से भी कम समय बाद यूक्रेनी सैनिकों ने रूस में एक दूसरे पुल पर हमला किया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार देर रात कीव के सहयोगियों से रूस के कुर्स्क समेत आंतरिक इलाकों में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए पश्चिमी हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि हमारे साझेदार उन बाधाओं को दूर करें जो हमें इस युद्ध की मांग के अनुसार रूसी स्थिति को कमजोर करने से रोक रही हैं।ज्हमारे सैनिकों की बहादुरी और हमारी लड़ाकू ब्रिगेड का लचीलापन हमारे साझेदारों की ओर से आवश्यक निर्णय न ले पाने की कमी को पूरा करता है।''

गाजा पर इजराइली हमलों में 28 की मौत, अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन संघर्षविराम के लिए पश्चिम एशिया रवाना

एजेंसी

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। हमास और इजराइल के बीच जारी युद्ध की ताजा कड़ी में इजराइली हमलों में 28 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल ने यह हमला गाजा में शनिवार रात और किया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन संघर्ष विराम समझौता कराने के लिए पश्चिम एशिया के लिए रवाना हुए।

अमेरिका और उसके सहयोगी मध्यस्थ देश मिस्र और कतर समझौता कराने की दिशा में दोहा में दो दिन की वार्ता के बाद करीब पहुंचते दिख रहे हैं। अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने समझौते को लेकर आशा व्यक्त की है लेकिन हमास ने लड़ाई जारी रखने के संकेत दिए हैं।

संघर्षविराम प्रस्ताव में तीन चरण वाली प्रक्रिया की बात कही गई है, जिसके तहत हमास सात अक्टूबर को हुए हमले के दौरान बंधक बनाए गए सभी लोगों को रिहा करेगा। बदले में, इजराइल गाजा से अपनी सेना वापस बुलाएगा और फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा।

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मध्यस्थों को इस युद्ध के समाप्त होने की उम्मीद है, जिसमें 40,000 से अधिक फलस्तीनियों

की मौत हो चुकी है। गाजा के 23 लाख से अधिक निवासियों में से अधिकतर विस्थापित हो चुके हैं और मानवीय तबाही हुई है। विशेषज्ञों ने अकाल और वैक्सीन की कमी से पोलियो जैसी बीमारियों के फैलने के प्रति आगाह किया है। सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के चरमपंथियों के हमलों में लगभग 1,200 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे जबकि लगभग 250 लोगों को अगवा कर लिया गया था। माना जाता है कि उनमें से लगभग 110 लोग अब भी गाजा में हैं, जबकि इजराइली अधिकारियों का कहना है कि उनमें से लगभग एक तिहाई की मौत हो चुकी है। नवंबर में एक हफ्ते के संघर्षविराम के दौरान 100 से ज्यादा बंधकों को रिहा किया गया था। अल अक्सा अस्पताल के अनुसार, इजराइल ने नए सिरे से बमबारी करते हुए रविवार तड़के दीर अल-बलाह में एक मकान पर हमला किया जिसमें एक महिला और उसके छह बच्चों की मौत हो गई।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली की भारत यात्रा की तैयारी, विदेश मंत्री भारत दौरे पर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सितम्बर के पहले हफ्ते में भारत यात्रा की तैयारी की जा रही है। चौथी बार प्रधानमंत्री बनने पर अपने पहले विदेश भ्रमण के लिए उन्होंने भारत जाने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपने नेपाल दौरे के क्रम में प्रधानमंत्री ओली से मुलाकात कर उन्हें भारतीय प्रधानमंत्री की तरफ से भ्रमण का औपचारिक पत्र दिया था। इसके बाद से ही ओली के दिल्ली दौरे को लेकर तैयारियां शुरू की गई हैं। हालांकि पहले उनका भ्रमण थाइलैंड के बैंकक में 4-6 सितम्बर तक तय था जहां उन्हें बिमस्टेक देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने जाना था।

प्रधानमंत्री ओली की यहीं बैंकॉक में ही भारत के प्रधानमंत्री के साथ साइडलाइन मुलाकात तय थी। लेकिन थाईलैंड में हाल ही में हुए सत्ता परिवर्तन और बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद बैंकॉक में होने वाले बिमस्टेक सम्मेलन के स्थगित होने की पूरी संभावना है। नेपाल की तरफ से इसी तारीख में ओली के भारत भ्रमण का आग्रह किया गया है। जिसे भारत के तरफ से भी सकारात्मक जवाब मिलने की जानकारी दी गई है। इसलिए सितम्बर

के पहले हफ्ते में ही ओली का भारत दौरा करने की पूरी संभावना है। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा रविवार से पांच दिनों के भारत दौरे पर दिल्ली के लिए रवाना हो रही हैं। सोमवार को हैदराबाद हाउस में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ उनकी मुलाकात तय है। डॉ. राणा ने बताया कि भारतीय विदेश मंत्री से मुलाकात के दौरान आपसी द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा होने के साथ प्रधानमंत्री ओली के संभावित भारत भ्रमण को लेकर भी चर्चा की जाएगी। अपने भारत दौरे के क्रम में डॉ. आरजू राणा के भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की पूरी संभावना है। हालांकि अब तक समय निश्चित नहीं हुआ है लेकिन दिल्ली पहुंचने के बाद समय मिलने की आशा है। विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने बताया कि सोमवार को ही वो भाजपा के विदेश विभाग के इंचार्ज डॉ. विजय चौथाईवाले से भी मिलने उनके घर जाने वाली हैं।

नेपाल के हाई-प्रोफाइल भूटानी शरणार्थी मामले में बेचन झा की जमानत याचिका खारिज

काठमांडू। नेपाल में काठमांडू की जिला अदालत ने फर्जी भूटानी शरणार्थियों से जुड़े संगठित अपराध मामले में बिचौलिए बेचन झा की जमानत याचिका खारिज कर दी। झा को पिछले महीने भारत से गिरफ्तार कर नेपाल पुलिस को सौंपा गया था। झा काठमांडू की जेल में बंद हैं। आरोपित बेचन झा के खिलाफ संगठित अपराध, राज्य के खिलाफ अपराध, धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया था। झा की जमानत याचिका पर चार दिन तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। पुलिस ने अदालत में झा के खिलाफ कई पुख्ता सबूत पेश किए लेकिन झा ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। पुलिस की ओर से पहले दायर की गई चार्जशीट के मुताबिक तत्कालीन गृहमंत्री बालकृष्ण खांड

और गृह सचिव टेकनारायण पांडे धोखाधड़ी गिरोह से मिले हुए थे। तत्कालीन गृह सचिव पांडे ने अदालत के समक्ष अपने लिखित बयान में कहा था कि राजनीतिक रूप से मंत्रालय के संपर्क में रहने वाले बेचन झा ही थे जो बाहर नकली भूटानी शरणार्थी बनाए गए लोगों से पैसे वसूलते थे। पुलिस की चार्जशीट में यह भी जानकारी दी गई है कि झा के कांग्रेस के बड़े नेताओं से करीबी रिश्ते हैं।

पुलिस के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े हाई-प्रोफाइल केस माने जाने वाले भूटानी शरणार्थी कांड में अब तक दो पूर्व उपप्रधानमंत्री टोप बहादुर रायमाझी और बालकृष्ण खांड, पूर्व गृहमंत्री रामबहादुर थापा के बेटे प्रतीक थापा, पूर्व उपप्रधानमंत्री कृष्ण बहादुर महरा के बेटे राहुल महरा, पूर्व सांसद आंगटावा शेर्पा, तत्कालीन गृह सचिव टेक नारायण पांडे, पूर्व गृहमंत्री राम बहादुर थापा के सुरक्षा सलाहकार इंद्रजीत राय, नेपाल हज कमिटी के अध्यक्ष शमशेर मियां, भूटानी शरणार्थी नेता टेकनाथ रिजाल को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह रायमाझी के बेटे संदीप रायमाझी, खांड के पीए नरेन्द्र केसी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें बालकृष्ण इस समय जमानत पर बाहर हैं, बाकी सभी न्यायिक हिरासत में हैं।

गाजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 40 हजार के पार पहुंचा

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या 40,099 हो गई है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक प्रेस बयान में कहा कि अक्टूबर 2023 में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष के फैलने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 40,099 और घायलों की संख्या 92,609 हो गई है। इसमें कहा गया है कि कई पीड़ित चिकित्सा कर्मचारियों और नागरिक सुरक्षा दल की पहुंच से दूर है तथा मलबे के नीचे और सड़कों पर दबे हुए हैं।

सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से हमास के उत्पात के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने के लिए इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसके दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 को बंधक बना लिया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस लगातार आगे बढ़ रही है

एजेंसी

ढाका। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस लगातार आगे बढ़ रही हैं। वे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगातार चुनौती दे रही हैं। एक ताजा सर्वेक्षण में उनको ट्रंप से चार फीसदी ज्यादा वोट मिले हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन से पहले मिली यह मामूली बढ़त हैरिस के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक ताजा सर्वेक्षण में हैरिस को 49 फीसदी वोट मिले, जबकि डोनाल्ड ट्रंप को 45 फीसदी वोट मिले। अगर अलग-अलग उम्मीदवारों की बात करें तो हैरिस को 47 फीसदी, डोनाल्ड ट्रंप को 44 फीसदी और रॉबर्ट एफ कैनेडी को पांच फीसदी वोट मिले।

जबकि जुलाई में हुए सर्वेक्षण में ट्रंप 43 फीसदी वोटों के साथ आगे थे। बिडेन को 42 फीसदी और

कैनेडी को नौ फीसदी वोट मिले थे। पोल में हैरिस को मिलती बढ़त ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। जबकि पोल से संकेत मिलता है कि नवंबर में होने वाले चुनाव में दोनों उम्मीदवारों में कड़ी टक्कर होगी। बताया जाता है कि मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, विस्कॉन्सिन, नॉर्थ कैरोलिना, जॉर्जिया, एरिजोना और नेवादा दोनों ऐसे राज्य हैं जो दोनों उम्मीदवारों के लिए कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ रही चिंता

कमला हैरिस की बढ़ती लोकप्रियता से कहीं न कहीं डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम भी चिंतित है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार कमला हैरिस और उनकी योग्यता पर सवाल उठा रहे हैं। बीते दिनों ट्रंप ने कमला हैरिस पर नस्लभेदी टिप्पणी की थी और उनके अश्वेत मूल का होने पर सवाल उठाए थे। पेंसिलवेनिया में रैली में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि उनकी (बाइडन) तुलना में उन्हें (हैरिस) हराना ज्यादा आसान है। इस दौरान ट्रंप ने कई नीतियों पर कमला हैरिस को वामपंथी के रूप में दिखाने की कोशिश की। इसके अलावा उन्होंने हैरिस पर निजी तौर पर भी हमला किया।

इमरान की पार्टी का चुनाव आयोग पर आरोप, कहा- हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायाधिकरणों में बदलाव गलत

एजेंसी

ढाका। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है। पार्टी की ओर से कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पंजाब प्रांत में चुनावी विवादों को निपटाने के लिए लाहौर हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त चुनाव न्यायाधिकरणों को बदलने का प्रयास किया। यह सरासर गलत है। पार्टी के नेता सलमान अकरम राजा ने कहा कि पंजाब में नियुक्त चुनाव न्यायाधिकरणों को काम करने की अनुमति नहीं दी गई। जबकि अन्य प्रांतों में चुनाव न्यायाधिकरण मुख्य न्यायाधीशों द्वारा दी गई सूची के अनुसार काम करते हैं। चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए राजा ने कहा कि पाकिस्तान के लोग आठ फरवरी को हुए आम चुनावों को भूल नहीं सकते हैं। इसमें सबसे ज्यादा धांधली की गई। उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को जनादेश

चोर कहा। राजा ने कहा कि सरकार को पंजाब में सबसे ज्यादा डर लगता है। अगर एलएचसी के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त न्यायाधिकरण विवादों की सुनवाई करेंगे तो कई खुलासे होंगे। उन्होंने कहा कि जो संस्थाओं और लोगों के बीच मतभेद पैदा करता है, वह पाकिस्तान का दुश्मन है। पीटीआई नेता मेहर बानो क़ुरैशी ने कहा कि लोकतंत्र की ताकत महिलाओं के प्रतिनिधित्व में निहित है। अफसोस है कि केवल तीन महिला नेता संसद में पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रही थीं।

दरअसल राजा ने पंजाब में चुनाव न्यायाधिकरणों को कार्यात्मक बनाने की मांग करते हुए पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय में एक समीक्षा याचिका दायर की थी। चार जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब में आठ चुनाव न्यायाधिकरणों की नियुक्ति के संबंध में एलएचसी के फैसले और उसकी अधिसूचना को निलंबित कर दिया था। अब पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय पीठ एलएचसी के फैसले को लेकर सुनवाई करेगी। साथ ही चुनाव आयोग की अपील पर भी विचार करेगी। पाकिस्तान में हुए आम चुनाव में नवाज़ शरीफ़ के नेतृत्व वाली पीएमएल-एन और बिलावल भुट्टो की पीपीपी ने व्यक्तिगत रूप से इमरान खान की पीटीआई से 92 से कम सीटें जीतीं। दोनों पार्टियों ने चार अन्य छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन किया। इससे खान की पार्टी को सरकार बनाने का मौका नहीं मिला।

'कमला हैरिस की उम्मीदवारी से राष्ट्रपति चुनाव में आया नया उत्साह', डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी प्रमुख बोले

एजेंसी

वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष जैमी हैरिसन ने रविवार को कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने से चुनाव में नई उर्जा और उत्साह आया है। उन्होंने कहा कि हैरिस ने बहुत सारी खुशी और उम्मीद दी है।

डर फैलाने और देश को बांटने की कोशिश कर रहे ट्रंप: हैरिसन

हैरिसन ने पीटीआई के साथ एक इंटरव्यू में कहा, ÷डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नामांकन ने राष्ट्रपति चुनाव को अत्यधिक उर्जा और उत्साह से भर दिया है। वह इस अभियान में बहुत सारे युवाओं और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को शामिल कर रही हैं। लोग उनके प्रति बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा, हैरिस इस चुनाव में बहुत सारी उम्मीद और खुशी लेकर आई हैं, जो (पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार) डोनाल्ड ट्रंप जैसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जरूरी है। ट्रंप डर फैलाने और देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। कमला हैरिस एक महान नेता हैं और उनका अभियान शानदार है।

डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन आज से शुरू

चार साल में एक बार होने वाला डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन सोमवार से शिकागो में शुरू हो रहा है। उपराष्ट्रपति हैरिस गुरुवार को अपने नामांकन को स्वीकार करने का औपचारिक भाषण देंगी। हैरिसन ने कहा, मुझे लगता है कि इस मंच से आपको बहुत सारी उम्मीद और खुशी मिलेगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के पुराने और नए सभी नेता मंच पर होंगे।

कन्वेंशन में 30000 से ज्यादा डेमोक्रेट्स जुटेंगे

हैरिसन ने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन भी इस कन्वेंशन को संबोधित कर सकते हैं। कन्वेंशन में डेमोक्रेटिक पार्टी के 30 हजार से ज्यादा नेता और सदस्य शामिल होंगे। हर कोई मंच पर अपनी छवि देखेगा, जो एक बड़ी बात है। आप यह रिपब्लिकन पार्टी के बारे में नहीं कह सकते। हमारी पार्टी अमेरिका की विविधता दर्शाती है, जो पूरी दुनिया में देखी जाती है। यही बात हमें गौरवान्वित करती है। उन्होंने सभी अमेरिकियों से अपील की कि वे कमला हैरिस और टिम वाल्ट्ज का समर्थन करें क्योंकि वे अमेरिका के भविष्य के लिए काम कर रहे हैं और सिर्फ अतीत में नहीं फंसे हुए हैं। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में सभी 50 राज्यों से डेमोक्रेट्स शिकागो में एकत्र होंगे, ताकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और गवर्नर टिम वाल्ट्ज का डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन कर सकें। 20 अगस्त को उपराष्ट्रपति हैरिस और गवर्नर वाल्ट्ज का रोल कॉल उत्सव होगा। रोल कॉल के दौरान सभी 57 प्रतिनिधिमंडल टिप्पणियां देंगे और राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों के रूप में हैरिस और वाल्ट्ज के लिए औपचारिक मतदान करेंगे। हैरिसन ने कहा, रोल कॉल एक लोकप्रिय और पारंपरिक परंपरा है। हमें इसे एक नए और मजेदार स्वरूप में लाने पर गर्व है।

राहुल काफिला छोड़कर उबर कैब में बैठे

राहुल ने करीब 12 मिनट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया

ड्राइवर बोला- दिल्ली के सारे फ्लाईओवर कांग्रेस ने बनवाए, राहुल बोले- हां, आसमान से तो गिरे नहीं

नई दिल्ली
लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को दिल्ली में उबर कैब में बैठे। उन्होंने अपने फोन से 10, जनपथ के लिए टैक्सी बुक की। इसके लिए उन्होंने 438 रुपए किराया दिया। टैक्सी में राहुल ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे और यात्रा के दौरान ड्राइवर से बातचीत की। राहुल ने करीब 12 मिनट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। राहुल गांधी ने सबसे पहले अपने फोन से कैब बुक की, जिसमें किराया 438 रुपए दिखा रहा था। राहुल गांधी ने सबसे पहले अपने फोन से कैब बुक की, जिसमें किराया 438 रुपए दिखा रहा था।

कैब के आते ही राहुल गांधी गाड़ी में बैठे और ड्राइवर से उसका नाम पूछा।

राहुलः नमस्कार भैया, कैसे हैं आप, क्या नाम है?

ड्राइवरः मेरा नाम सुनील उपाध्याय है। मैं यूपी के एटा से हूं।

राहुलः कैब कब से चला रहे हो और कितनी ड्राइविंग करते हो?

ड्राइवरः करीब पांच साल से टैक्सी चला रहा हूं। 12-12 घंटे हो जाते हैं। कभी-कभी तो दो दिन तक गाड़ी में ही रहता हूं। जहां कोई गाड़ी नहीं जाती। वहां ओला-उबर जाती है। एक दिन सड़क पर बोनट तक पानी था, लेकिन कस्टमर गाड़ी से नहीं उतरा।

26 जुलाई को यूपी में मोची से मिले थे राहुल गांधी

पत्नी ने कहा- एक बच्चे को भेजते हैं। बेटी नहीं जाती। इतनी महंगाई में कुछ बचता ही नहीं है। राशन, घर के किराए में सबकुछ चला जाता है।

26 जुलाई को यूपी में मोची से मिले थे राहुल गांधी, राहुल गांधी 26 जुलाई को सुल्तानपुर के टढ/टछअ कोर्ट में पेश हुए थे। वापस लखनऊ लौटते समय कूरेभार के विधायक नगर चौराहे पर पहुंचे तो अचानक उनका काफिला राम चैत मोची की दुकान के पास रुक गया। यहां 5 मिनट रूककर राहुल ने उनसे व्यापार के बारे में बातचीत की, सेल्फी ली।

राहुल गांधी ने कैब ड्राइवर के परिवार के साथ नाश्ता किया, गिफ्ट दिया

ड्राइवरः वैसे मैने सपने में भी नहीं सोचा था कि आप मेरी गाड़ी में बैठेंगे। आपको सिर्फ टीवी में देखा था। मैंने अपने जीवन में पहला वोट कांग्रेस को दिया था। 60 सालों से कांग्रेस ही तो रही है। शुरूआत में कुछ नहीं था, ये सब कांग्रेस ने ही तो बनाया। दिल्ली में सारे फ्लाईओवर शीला दीक्षित जी ने ही बनवाए थे।

राहुलः सही बात है, आसमान से तो नहीं गिरे।

राहुलः वैसे काम के लिए सबसे अच्छा सीजन कौन सा होता है

ड्राइवरः वो दिन चले गए, अब ऐसा कोई दिन नहीं आया, जब 5000 रुपए कमाई हुई हो। सुबह से ये मेरी पहली राइड है।

राहुलः आपने कहां तक पढ़ाई की है?

ड्राइवरः मैंने ग्रेजुएशन किया है। फिर आईटीआई किया, यामाहा में एक साल अप्रेंटिस भी की। फिर उन्होंने निकाल दिया।

राहुलः आपको नहीं लगता कि चुने हुए लोग अमीर होते जा रहे हैं।

ड्राइवरः सर वही सिस्टम चल रहा है।

राहुलः राजस्थान में हमारी सरकार ने नियम बनाया था कि कैब ड्राइवर के हर ट्रांजैक्शन में कुछ पैसा पेंशन में कटेगा।

ड्राइवरः ये बहुत सही नियम है। कम से कम उसे कुछ राहत तो मिलेगी।

राहुलः हमारी तेलंगाना और कर्नाटक में सरकार है, वो दो काम बताइए जो हम वहां कर सकते हैं

ड्राइवरः गाड़ी चलाने वाले के पास कुछ मिनिमम पैसा बचना चाहिए।

राइड खत्म होने के बाद राहुल ने ड्राइवर को गिफ्ट दिया। बाद में उसके परिवार को नाश्ते के लिए इनवाइट किया।

राहुल एक रेस्टोरेंट में परिवार से मिलने गए। उन्होंने सभी के लिए छोले-भटूरे, पापड़ी चाट, आलू की टिक्की और गोलगप्पे मंगवाए। सभी ने साथ में खाया। इस दौरान राहुल ने ड्राइवर की पत्नी से पूछा कि बच्चों को स्कूल भेजते हो।

एक देश-एक चुनावः पीएम और चुनाव आयोग की राह अलगः शरद पवार

पुणे
नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी-शरद गुट के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार 19 अगस्त को कहा कि प्रधानमंत्री और चुनाव आयोग दोनों अलग-अलग बातें करते हैं। पीएम ने स्वतंत्रता दिवस पर वन नेशन-वन इलेक्शन की बात कही थी। अगले ही दिन को चुनाव आयोग ने दो राज्यों में अलग-अलग तारीखों में विधानसभा चुनावों का ऐलान कर दिया। प्रधानमंत्री एक बात कहते हैं, जबकि सिस्टम दूसरे रास्ते पर चलता है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि बार-बार होने वाले चुनाव देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। देश को वन नेशन, वन इलेक्शन के लिए आगे आना होगा। इसके बाद 16 अगस्त को चुनाव आयोग ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ऐलान किया। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर सिंगल फेज में 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी। दोनों राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे। शरद पवार 19 अगस्त को पुणे में पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उनसे पूछा गया कि क्या महाराष्ट्र में राज्य सरकार की लाड़की बहन योजना के कारण दिसंबर में चुनाव हो सकते हैं और क्या राज्य में राष्ट्रपति शासन लगने की संभावना है। पवार ने कहा कि यह ऐसा सवाल है, जो चुनाव आयोग से पूछा जाना चाहिए।

देश के 20वें थलसेनाध्यक्ष जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का चेन्नई में निधन

नई दिल्ली
देश को 43 वर्षों तक सेवाएं देने वाले भारतीय सेना के 20वें प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का 83 वर्ष की उम्र में सोमवार को चेन्नई में निधन हो गया। वह 30 सितंबर, 2000 से 31 दिसंबर, 2002 तक थल सेनाध्यक्ष रहे। अपने सैन्य साथियों के बीच जनरल पद्मनाभन की पहचान पैडी के नाम से थी। लंबे और शानदार करियर के लिए उन्हें अति विशिष्ट सेवा पदक से भी सम्मानित किया गया था। केरल के तिरुवनंतपुरम में 5 दिसंबर, 1940 को जन्मे जनरल पद्मनाभन देहरादून के राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी) और पुणे के खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के छात्र रहे। उन्हें 13 दिसंबर, 1959 को भारतीय सैन्य अकादमी से स्नातक होने के बाद आर्टिलरी रेजिमेंट में नियुक्त किया गया था।

अशोक कुमार सिंह ने ईएसआईसी के महानिदेशक का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली
भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के महानिदेशक का कार्यभार संभाल लिया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि अशोक कुमार सिंह ने ईएसआईसी के महानिदेशक का पदभार संभाल लिया है।

तमिलनाडु: फर्जी एनसीसी कैंप में छात्रा से दुष्कर्म, 11 आरोपी गिरफ्तार

कृष्णागिर
तमिलनाडु के कृष्णागिरी में एक फर्जी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैंप में 13 साल की एक छात्रा के साथ दुष्कर्म और 12 अन्य के यौन शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में रविवार को कैंप आयोजक, निजी स्कूल के प्रधानाचार्य, दो शिक्षकों और एक कॉरेस्पॉन्डेंट सहित 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कश्मीर के उधमपुर में सीआरपीएफ दल पर हमला

एक इंस्पेक्टर बलिदान; मुठभेड़ जारी

जम्मू
जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में आतंकियों ने सोमवार को सीआरपीएफ के दल पर हमला किया है। इस हमले में एक इंस्पेक्टर के बलिदान की खबर है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। फिलहाल दोनों ओर से फायरिंग जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि उधमपुर के रामनगर के चील इलाके में सीआरपीएफ की नियमित गश्त के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें सीआरपीएफ के एक इंस्पेक्टर बलिदान हो गए। शहीद की पहचान कुलदीप के रूप में हुई है।

आतंकियों को मिली रही है स्थानीय मदद

इससे पहले सात अगस्त को भी उधमपुर के बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। हालांकि आतंकी खराब मौसम और धुंध का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे थे। माना जा रहा है कि उधमपुर के बसंतपुर के ऊपर जंगल में आतंकियों के कुछ ग्रुप यहां बीते कुछ महीने से छिपे हुए हैं। लोग संदिग्ध देखे जाने की लगातार सूचना दे रहे हैं। इतने समय तक बिना गाइड व मददगारों के छिपना संभव नहीं है। सूत्रों की माने तो इन आतंकियों को किसी स्थानीय के यहां शरण मिल रही है

मुडा मामले में सिद्धारमैया को राहत, हाईकोर्ट का निर्देश- 29 अगस्त तक कार्रवाई न करें विशेष कोर्ट

बंगलुरू
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने एमपी/एमएलए कोर्ट को निर्देश दिया कि वह कथित मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) स्थल आवंटन घोटाले में सिद्धारमैया के खिलाफ 29 अगस्त तक कोई कार्यवाही न करे। इसी दिन सीएम के खिलाफ शिकायतों के मामले की सुनवाई होनी है। सीएम सिद्धारमैया की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि मैंने प्रथमदृष्टया प्रस्तुतीकरण पर विचार किया। यह तर्क दिया गया कि निचली अदालत के समक्ष कार्यवाही इस बात पर आदेश के लिए लंबित है कि मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी दी जानी चाहिए या नहीं। मुख्यमंत्री के खिलाफ आगे की कार्रवाई की अनुमति देने वाला कोई भी आदेश इस अदालत के समक्ष कार्यवाही को विफल कर देगा।

चूंकि कार्यवाही इस अदालत के समक्ष लंबित है और दलीलें अभी पूरी नहीं हुई हैं। इसलिए मामले की अगली सुनवाई तक संबंधित अदालत अपनी कार्यवाही स्थगित रखेगी। इन शिकायतों के संबंध में कोई प्रारंभिक कार्रवाई नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और केंद्र के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता राज्यपाल थावरचंद गहलोत की ओर से पेश हुए। सिंघवी ने कहा कि राज्यपाल ऐसे मामलों में कैबिनेट के फैसले से बंधे होते हैं लेकिन इसके बजाय उन्होंने मामले की योग्यता पर विचार किए बिना दो पेज के छोटे आदेश में मंजूरी जारी कर दी।

भारत पड़ोसी देशों से आए अल्पसंख्यक प्रवासियों को सुरक्षा प्रदान करेगाः गोयल

-दिल्ली में पाकिस्तान से आई महिला शरणार्थियों ने पीयूष गोयल को राखी बांधी

-गोयल ने राखी के अवसर पर महिला सीएए नागरिकता लाभार्थियों से मुलाकात की

नई दिल्ली
पाकिस्तान से दिल्ली आई शरणार्थी निवासी महिलाओं ने सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को राखी बांधी। इसके साथ ही गोयल ने साध्वी ऋतंभरा और ब्रह्मकुमारी बहनों के साथ भी रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण इन सभी बहनों को सीएए के तहत भारत की नागरिकता मिल पाई है। गोयल ने आगे कहा कि नागरिकता अधिनियम उन प्रवासियों को सुरक्षा प्रदान करेगा, जिन्हें सीएए के तहत राष्ट्रीयता दी गई है। उन्होंने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम ने सम्मान और सुरक्षा प्रदान की है, जो आपका अधिकार है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा रक्षाबंधन उत्सव है।

गोयल ने कहा कि आज रक्षाबंधन के पर्व पर अपनी बहनों से राखी बंधवाने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण इन सभी बहनों को सीएए के तहत भारतीय नागरिकता मिल पाई है।

आप सभी सदा खुश रहें, यही मनोकामना है।

देशभर में मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार, हुआ रिकॉर्ड कारोबार

नई दिल्ली
देशभर में भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के प्रतीक रक्षाबंधन का पावन त्यौहार सोमवार को व्यापारियों ने बड़े उत्साह से मनाया। इस वर्ष राखी की बिक्री पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले रिकॉर्ड स्तर पर रही, जिससे त्यौहार मनाने की ऊर्जा दुगनी हो गई। पिछले कुछ साल की तरह इस वर्ष भी चीन से न तो राखियां खरीदी गईं और न ही राखियों का सामान आयात हुआ।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जारी बयान में कहा कि देशभर के बाजारों में रक्षाबंधन पर राखियों की खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़ के चलते पिछले साल के राखी की बिक्री के सभी रिकॉर्ड टूट गए और करीब 12 हजार करोड़ रुपये का राखियों का व्यापार हुआ है। इसके साथ ही उपहार देने के लिए मिठाइयों, गिफ्ट्स आइटम्स, कपड़े और एफएमसीजी सामान आदि का कारोबार भी लगभग 5 हजार करोड़ रुपये का आंका गया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल को रक्षाबंधन के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय संगठन की बहनों ने विशेष रूप से उनके निवास पर जाकर राखी बांधी। इस अवसर पर खंडेलवाल ने कहा कि इस बार राखियों की बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया है। खंडेलवाल ने बताया की वर्ष 2018 में 3 हजार करोड़ रुपये से राखी का व्यापार शुरू होकर केवल 6 वर्षों में यह आंकड़ा 12 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें से

ग्लोबल साउथ देशों के स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े नीति निर्माता और विशेषज्ञ भारत यात्रा पर

नई दिल्ली
भारत ने दुनिया के विकासशील देशों ग्लोबल साउथ के स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े नीति निमार्ता और विशेषज्ञों को अपने यहां आमंत्रित किया है। 15 ग्लोबल साउथ के 30 स्वास्थ्य नीति निमार्ता और विशेषज्ञ इसमें भारत आए हैं। आज केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने इनसे जुड़े कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय का कहना है कि स्वास्थ्य मंत्रालय और फामार्कोपिया आयोग 19-22 अगस्त, 2024 तक इस यात्रा कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यात्रा के दौरान, नीति निमार्ता और विशेषज्ञ अपने भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे और भारतीय फामार्कोपिया की मान्यता सहित आईपीसी के साथ सहयोग स्वास्थ्य के क्षेत्र में सर्वोत्तम अभ्यास, क्षमता निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण पर चर्चा करेंगे।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के कर्ज माफ करें बैंक: सीएम पिनरई विजयन

कर्ज माफ करने से बैंकों पर कोई असहनीय बोझ नहीं पड़ेगा: मुख्यमंत्री पिनरई विजयन

वायनाड
केरल के वायनाड में 30 जुलाई को भूस्खलन के कारण स्थानीय लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। इस त्रासदी से पीड़ित लोगों की मदद के लिए केरल सरकार ने बड़ा कदम उठाया। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने सोमवार को विभिन्न बैंकों से केरल के वायनाड में भूस्खलन में मरने वालों और प्रभावित लोगों के कर्ज माफ करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कर्ज माफ करने से बैंकों पर कोई असहनीय बोझ नहीं पड़ेगा। बता दें कि वायनाड भूस्खलन में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। तिरुवनंतपुरम में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक को संबोधित करते हुए सीएम सिजयन ने कहा, "ब्याज राशि में छूट या मासिक किस्तों को जमा करने के लिए समय बढ़ाने से भूस्खलन प्रभावित लोगों की समस्या हल नहीं होगा।" उन्होंने आगे बताया कि कर्ज लेने वाले कई लोगों की मौत हो चुकी है। भूस्खलन के बाद उनकी जमीन भी अनुपयोगी हो गई।

विजयन ने कहा, "हम बस यह चाहते हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों द्वारा लिए गए कर्ज को माफ कर दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने बैंकों द्वारा प्रभावित लोगों से मासिक किस्तें लेने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।" उन्होंने एसएलबीसी से इस संबंध में निर्णय लेने की भी अपील की। 30 जुलाई की त्रासदी को याद करते हुए सीएम विजयन ने कहा कि भूस्खलन पीड़ित अब वायनाड में खेती की गतिविधियों में लगे हुए हैं, लेकिन इस त्रासदी ने वहां की कृषि भूमि का भूगोल ही बदल दिया। रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्र अनुपयोगी हो चुके हैं। वहां खेती संभव नहीं है। सीएम ने कहा, "उस क्षेत्र के कई किसानों ने कर्ज लिया था। जिन्होंने घर बनाने के लिए कर्ज लिया था, उनके घर ही नष्ट हो गए।" उन्होंने बैंकों पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्ज माफ करने के बाद बैंक अक्सर सरकार से माफ की गई राशि का भुगतान करने की उम्मीद करते हैं।

चंपई सोरेन की बगावत पर चिराग पासवान बोले, 'सम्मान से समझौता किसी को भी बर्दाश्त नहीं होगा'

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने सोमवार को आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान कोलकाता की घटना, लेटरल एंट्री से लेकर चंपई सोरेन की बगावत पर अपनी प्रतिक्रिया दी। यहां पढ़िए चिराग पासवान से बातचीत के महत्वपूर्ण अंश। रक्षाबंधन के मौके पर आप देश की बहनों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

रक्षाबंधन की देशवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं। भाई-बहन के अटूट प्यार का यह त्योहार है। इस त्योहार को मैं अपने परिवार के साथ मिलकर मनाता हूं। हमारा पूरा परिवार इस मौके पर इकट्ठा होता है। हमारी पूरी पीढ़ी होती है। इसके अलावा हमारे भांजे और भांजियां भी होते हैं, अच्छा लगता है, जिस खुशियों के साथ मिलकर हम इस त्योहार को मना रहे हैं। वहीं, मैं उन बहनों को भी याद कर रहा हूं, जो आज हमारे बीच नहीं हैं। वो आपराधिक मानसिकता की शिकार हुई हैं। ऐसे में मैं चाहता हूं कि देश का हर युवा इस संकल्प और सोच के साथ जैसे अपनी बहन को देखता है, उसी सोच के साथ वो दूसरे की बहन को भी देखे, ताकि निर्भया जैसी घटनाएं हमारे देश में दोबारा से नहीं हो।

स्वामी प्रकाशक एवं संपादक अरविन्द कुमार सिंह द्वारा शारदा प्रिंटिंग प्रेस, सिविल लाइन्स, विवेकानंद मार्ग ठंडी सड़क आजमगढ़ से मुद्रित तथा रामपुर जहानागंज आजमगढ़ से प्रकाशित।
संपादक:- डॉ. अरविन्द कुमार सिंह, मोबाईल नं. 8318012069, Email: janadeshtoday2021@gmail.com RNI-UPHIN/2022/84180